बालाघाट
सोमवार 02 मार्च 2026
फाल्गुन शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 158
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एलओसी पार से घुसा पाकिस्तानी ड्रोन

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक बार फिर से पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई है. हालांकि, ड्रोन कुछ देर तक दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की ओर लौट गया। जानकारी के मुताबिक, यह पिछले तीन दिनों में दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की गतिविधि का पता चलने पर सैनिकों ने फायरिंग की। सेना के जवानों ने सुबह करीब 6.10 बजे दुश्मन ड्रोन को देखा और उसे नीचे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। इसके बावजूद, ड्रोन गोलियों से बच निकला और तुरंत पाकिस्तान की ओर लौट गया। इस घटना के बाद, सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है कि ड्रोन द्वारा किसी भी प्रकार के हथियार या नशीले पदार्थों की एयरड्रॉपिंग न की गई हो। 27 फरवरी को भी सैनिकों ने इसी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलीबारी की थी।

सीजेआई ने 16 कोर्ट कॉम्प्लेक्स की रखी नींव

तिरुपति। भारत के चीफ जस्टिस, जस्टिस सूर्यकांत ने रविवार को तिरुपति जिले के दमिनेडु में 16 नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। सीजेआई ने भूमि पूजन में हिस्सा लिया और फाउंडेशन प्लाक का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इस इवेंट में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस धीरज सिंह ठाकुर, सुप्रीम कोर्ट के जज पीएस नरसिम्हा, प्रशांत कुमार मिश्रा, एसवी एन भट्टी और जॉयमाल्या बागची भी शामिल हुए।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

कुछ ना कहना

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर बरसाए 1200 से अधिक बम

-खामेनेई की मौत के बाद विश्वभर में शिया समुदाय सड़कों पर, ईरान में डेथ टू अमेरिका के नारे
सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद ईरानी रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख की भी मौत
-आईडीएफ के निशाने पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स और एयर डिफेंस

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल की वायु सेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की। खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है। ईरान की सड़कों पर लोग मातम मनाते दिखे। लोगों ने डेथ टू अमेरिका और डेथ टू इजराइल के नारे लगाए और जवाबी कार्रवाई की मांग की। भारत में भी शिया समुदाय के लोग खामेनेई की मौत के विरोध में सड़कों पर उतरे। श्रीनगर, लेह, लखनऊ से प्रदर्शन की तस्वीरें सामने आईं।

अलीरेजा को बनाया सुप्रीम लीडर

अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमले में अली खामेनेई की मौत के बाद ईरानी धर्मगुरु अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी को ईरान का अंतरिम सुप्रीम लीडर बनाया गया है। वह अंतरिम नेतृत्व परिषद में विधि विशेषज्ञ सदस्य के रूप में काम करेंगे। संविधान के तहत राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, मुख्य न्यायाधीश घोलाम-होसैन मोहसिनी-एजेई और गार्जियन काउंसिल के एक धर्मगुरु के साथ यह परिषद मिलकर देश की कमान संभालेगी, जब तक नए सुप्रीम लीडर का चुनाव नहीं हो जाता।

ईरान में 200 की मौत, 740 घायल

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे।

ईरान का इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। ईरान ने दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया। इसके अलावा बहरीन में कई रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया।

1800 से ज्यादा उड़ानें रद्द, हजारों यात्री फंसे

अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद शनिवार को मध्य पूर्व और उससे आगे की उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हुईं। कई देशों ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया और यूरोप, अफ्रीका व पश्चिम को एशिया से जोड़ने वाले प्रमुख हवाई अड्डे भी हमलों की चपेट में आ गए। संघर्ष दूसरे दिन में पहुंचने के साथ रविवार को भी मध्य पूर्व के कई एयरपोर्ट बंद रहे। दुबई, अबू धाबी और दोहा के प्रमुख हब एयरपोर्ट बंद हो गए और मध्य पूर्व की बड़ी एयरलाइनों ने 1,800 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं। शनिवार को इजरायल, कतर, सीरिया, ईरान, इराक, कुवैत और बहरीन द्वारा एयरस्पेस बंद किए जाने के बाद लाखों यात्रियों को या तो रोकना पड़ा या उनकी उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया।

खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में हालात आउट ऑफ कंट्रोल, जल रहा कराची-लाहौर-इस्लामाबाद...

अमेरिकी कॉन्सुलेट पर हमला,12 प्रदर्शनकारियों की मौत

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों में मौत की खबर के बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद, कराची और लाहौर शहर में हालात बेकाबू हो गए हैं। साथ ही साथ पीओके में स्थित स्कर्दू शहर में भी भी बवाल मचा है। कराची में तो सैकड़ों की तादाद में प्रदर्शनकारी अमेरिकी कांसुलेट के बाहर जमा हो गए। शुरुआत में जुलूस शांतिपूर्ण था, लेकिन दोपहर के बाद स्थिति हिंसक रूप ले गई। इस दौरान 12 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, लाहौर में भी भारी संख्या में लोग अमेरिका के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। राजधानी इस्लामाबाद में खामेनेई की मौत को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रिपोर्ट के अनुसार, कराची में प्रदर्शनकारियों ने कांसुलेट के मुख्य गेट पर हथौड़ों और लोहे की रॉड से हमला किया। गेट टूट गया और भीड़ परिसर के अंदर घुसने लगी। प्रदर्शन के दौरान आग के गोले फेंके गए, जिससे कांसुलेट की इमारत के कई हिस्सों में आग लग गई। काले धुएं का गुबार आसमान में फैल गया। सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया और लाठीचार्ज किया। इसके बाद गोलीबारी की खबर भी सामने आई। इस हिंसक झड़प में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है, जिनमें प्रदर्शनकारी, रेंजर्स और एक आम नागरिक शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं।

संजू सैमसन का वन मैन शो

भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर कटाया सेमीफाइनल का टिकट

नई दिल्ली। कोलकाता में रविवार को भारतीय बल्लेबाजों ने रनों की होली खेली। संजू सैमसन (97) ने अपनी पारी से भारत को जीत का गुलाल लगाया। टूर्नामेंट में ज्यादातर समय बेंच पर बैठने वाले संजू सैमसन ने वर्चुअल क्वार्टरफाइनल जैसे अहम मुकाबले में मैच विनिंग पारी खेली।

ऐसे में भारत ने सुपर-8 के अपने आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। दूसरे सेमीफाइनल में 5 मार्च को भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाए थे। 196 रन के टारगेट को टीम इंडिया ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर चेज कर लिया। भारत की जीत के हीरो भी संजू सैमसन रहे। वहीं हार के साथ वेस्टइंडीज का सफर समाप्त हो गया है।

शतक से चूके संजू सैमसन

संजू सैमसन ने 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 12 चौके और 4 छक्के लगाए। शानदार पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट की शुरुआत में संजू बेंच पर बैठे थे। अभिषेक और ईशान पारी की शुरुआत कर रहे थे। अभिषेक के बीमार होने पर नामीबिया के खिलाफ संजू को मौका मिला और इसके बाद वह बाहर हो गए।

साउथ अफ्रीका से सुपर-8 का पहला मै हारने के बाद भारतीय प्लेइंग 11 में बड़े बदलाव हुए। जिम्बाब्वे के खिलाफ संजू और अभिषेक ने पारी की शुरुआत की तो ईशान को 3 नंबर पर भेजा गया। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मैच में संजू ने मैच विनिंग पारी खेलकर टीम मैनेजमेंट के फैसले को सही साबित कर दिया। भारत की ओर से शिवम दुबे ने 4 गेंदों पर 8* रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए।

बारूद कंपनी में ब्लास्ट,17 की मौत

18 लोगों की हालत गंभीर, मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर जिले राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे भीषण धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था, तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

नागपुर के काटोल स्थित बारूद फैक्ट्री में विस्फोट, 17 लोगों की मौत, कई गंभीर

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के काटोल में स्थित बारूद बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह विस्फोट रविवार सुबह 1 मार्च को काटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक कार्यों के लिए विस्फोटक पदार्थ बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुआ।

घटना के संबंध में मीडिया को जानकारी दे रहे नागपुर ग्रामीण के एसपी हर्ष पोद्दार ने बताया, कि कंपनी में बारूद बनाए जाने का कार्य किया जा रहा था, तभी अचानक विस्फोट हो गया। इस घटना में 17 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है। कई गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट होने के बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने का काम किया जा रहा है। विस्फाट की जानकारी लेते हुए पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रशासन से तत्काल राहत कार्य शुरु करने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही जिला कलेक्टर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इस बीच दावा किया जा रहा, कि हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जिस कंपनी में विस्फोट की घटना घटित हुई वह नागपुर शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित है। स्थानीय लोगों का कहना था, कि विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के ही नहीं बल्कि दूर-दराज के लोग भी सहम गए। विस्फोट होने के बाद आग लगी जिसके बाद कंपनी के अंदर मौजूद कर्मचारियों और मजदूरों में भगदड़ मच गई। इनमें कुछ लोग तो अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहे, जबकि कई अंदर ही फंसे रह गए और उनकी मौत जलने से हो गई। आग बुझाने पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने मीडिया को बताया, कि बारूद फैक्टी में विस्फोट की खबर मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। घटनास्थल से अब तक 17 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि इतने ही लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

केजरीवाल और सिसोदिया को बरी करने के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में राजनीति और कानूनी सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अब दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सीबीआई की इस आपराधिक पुनरीक्षण याचिका (क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन) पर आगामी 9 मार्च को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई होनी तय हुई है। जांच एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के उस विस्तृत आदेश को रद्द करने की मांग की है, जिसने एजेंसी की पूरी जांच थ्योरी को खारिज कर दिया था।

मिडिल ईस्ट की जंग से ईरान ने बंद किया होर्मुज की खाड़ी, कच्चे तेल में लगेगी आग

भारत में 10-12 रुपए तक महंगे हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली/तेल अवीव। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच गहराता सैन्य तनाव पूरी दुनिया की सांसें अटका रहा है। इजरायली हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद हालात पूरी तरह बेकाबू हो गए हैं। इस बड़े झटके के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दुनिया के सबसे अहम व्यापारिक समुद्री रास्तों में से एक, होर्मुज की खाड़ी को बंद कर दिया है। अब यह सिर्फ इन देशों के बीच की भौगोलिक लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि इसका सीधा असर पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण भारत में पेट्रोल-डीजल 10-12 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। खाड़ी देशों में सुलगती इस आग की तपिश भारतीय अर्थव्यवस्था को भी झुलसा सकती है। कच्चे तेल के बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई है और यह संकट लंबा खिंचने की आशंकाएं अब पहले से कहीं ज्यादा गहरी हो गई हैं। इसका असर भारत के तेल, शेयर बाजार और सोना-चांदी की कीमतों पर दिख सकता है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। इसमें से करीब 50 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज के रास्ते मंगाता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ईरान इस रास्ते को ब्लॉक करता है, तो इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई घट जाएगी और कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेड कर रहा है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,90 लाख रुपए तक जा सकता है। चांदी 2.67 लाख रुपए किलो है जो बढ़कर 3.50 लाख तक पहुंच सकती है। युद्ध के समय निवेशक सोने को सुरक्षित मानते हैं।

110 डॉलर के पार होगा क्रूड ऑयल

होर्मुज की खाड़ी विश्व स्तर पर तेल आपूर्ति की सबसे बड़ी जीवन रेखा मानी जाती है। दुनिया भर का लगभग 20 फीसदी कच्चा तेल इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान द्वारा इस रास्ते को बंद करने का सीधा मतलब है वैश्विक बाजार में तेल की भारी किल्लत पैदा होना। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके गंभीर संकेत मिलने भी शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

जंतर-मंतर पर केजरीवाल का शक्ति प्रदर्शन,बोले

ईमानदार थे, ईमानदार हैं और ईमानदार रहेंगे

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) की जनसभा में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संबोधन किया। केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने कहा कि आप को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर 4 साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं ईमानदार था, ईमानदार हूं और ईमानदार रहूंगा।

शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले केस में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। इससे पहले पार्टी की नेता आतिशी, गोपाल राय और गोवा प्रदेश अध्यक्ष वाल्मीकि नायक ने मंच से भाजपा की केंद्र व दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला। गोपाल राय ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उन न्यायाधीशों का धन्यवाद किया जिन्होंने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को आबकारी मामले में बरी किया। गोपाल राय ने कहा कि भाजपा चाहे किसी भी कोर्ट में जाए, केजरीवाल की छवि खराब नहीं कर सकती। जंतर-मंतर पर नौकरी से निकाले गए बस मार्शल, चालक, कंडक्टर तथा मोहल्ला क्लीनिक से हटाए गए डॉक्टर और नर्स भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

त्यौहारों के दौरान मनमाना किराया वसूलने वाली दो बसें जब्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही का फायदा उठाते हुए भोपाल से इंदौर तथा अन्य लंबी दूरी के मार्गों पर संचालित बसों द्वारा अधिक किराया वसूल जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शिकायतों के मद्देनजर परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है और प्रतिदिन वाहनों की जांच की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, निर्धारित किराये से अधिक राशि वसूलने वाले बस चालकों और संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 1 अप्रैल को भी जांच के दौरान दो बसों में आवश्यकता से अधिक किराया वसूलने की पुष्टि हुई। कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग ने दोनों बसों को थाने में खड़ा कर दिया है तथा संबंधित संचालकों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

जिले में पिछले कई वर्षों से यह देखा जा रहा है कि जैसे ही त्योहारों का मौसम शुरू होता है, लंबी दूरी की यात्री बसों में किराया वसूली को लेकर मनमानी बढ़ जाती है। इस वर्ष भी वही स्थिति देखने को मिल रही है। निर्धारित दरों के बावजूद यात्रियों से अधिक किराया वसूले जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कुछ दिन पूर्व परिवहन विभाग ने लंबी रूट की बसों के लिए किराये की अधिकृत सूची सार्वजनिक की थी, ताकि आमजन को निर्धारित दरों की जानकारी रहे और कोई भी संचालक अतिरिक्त राशि न वसूल सके। इसके बावजूद इंदौर से बालाघाट, भोपाल तथा अन्य लंबी दूरी के मार्गों पर संचालित बसों में अधिक किराया लेने की शिकायतें मिल रही हैं। परिवहन विभाग ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए लगातार चेकिंग अभियान शुरू कर रखा है। प्रतिदिन बसों की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर या तो जुर्माना वसूला जा रहा है एवं फिर बसों को थाने में खड़ा कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 1 मार्च को स्थानीय गर्रा चौक क्षेत्र में परिवहन विभाग की कार्रवाई देखने को मिली। जांच के दौरान इंदौर से भोपाल और अन्य लंबी दूरी की बसों की जांच की गई। इस दौरान कुछ छात्राओं ने अधिकारियों को बताया कि उनसे निर्धारित किराये से अधिक राशि ली गई है। शिकायत मिलते ही विभाग ने संबंधित बस संचालकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए नियमानुसार दंडात्मक प्रक्रिया शुरू कर दी। परिवहन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी भीड़ का फायदा उठाकर अतिरिक्त किराया वसूलने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

हम से 1,375 रुपये वसूले गए- भानुप्रिया

यात्री भानुप्रिया ने बताया कि वह इंदौर से बालाघाट नंदन बस से यात्रा कर रही थीं। उनके साथ एक अन्य यात्री भी था और दोनों से सिंगल-सिंगल स्लीपर सीट के लिए प्रति व्यक्ति 1,375 रुपये वसूले गए। जबकि परिवहन विभाग द्वारा हाल ही में जारी किराया सूची के अनुसार नॉन-एसी और लग्जरी बसों का किराया लगभग 1,100 से 1,200 रुपये के बीच निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद यात्रियों से अधिक राशि ली जा रही है।

मुझ से भी 2,029 रुपये वसूले गए - प्राची रंगारे

प्राची रंगारे ने भी आरोप लगाया कि उन्होंने नंदन ट्रेवल्स के माध्यम से इंदौर से बालाघाट की टिकट बुक कराई थी, जिसके लिए उनसे 2,029 रुपये वसूले गए। उन्होंने बताया कि वे नॉन-एसी सिंगल स्लीपर से यात्रा कर बालाघाट पहुंचीं, ऐसे में लिया गया किराया अत्यधिक और नियमों के विरुद्ध है। यात्रियों का कहना है कि विभाग द्वारा किराया सूची सार्वजनिक किए जाने के बावजूद बस संचालक मनमाने तरीके से दरें वसूल रहे हैं।

अतिरिक्त राशि वापस कराई जाएगी - भाग्यश्री राज वैध

परिवहन विभाग की उपनिरीक्षक भाग्यश्री राज वैध ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर स्थानीय गर्रा चौक क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान पाया गया कि कुछ लंबी दूरी की यात्री बसों में अब भी निर्धारित किराये से अधिक राशि वसूली जा रही थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दो बसों को थाने में ले जाकर खड़ा किया गया है। संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभाग द्वारा पहले ही किराये की दरें निर्धारित कर सार्वजनिक की जा चुकी हैं इसके बावजूद अधिक किराया वसूलना नियमों का उल्लंघन है और इस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपनिरीक्षक ने यह भी बताया कि संबंधित बसों से यात्रियों की सूची मंगवाई जा रही है। जांच के बाद जिन यात्रियों से अधिक किराया लिया गया है, उन्हें उनकी अतिरिक्त राशि वापस कराई जाएगी।

साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित किराया सूची की जानकारी रखें और अधिक राशि वसूल जाने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं ।

देवधर क्रिकेट की तरह संगीत का यह मंच भी आने वाले समय में बनेगा नगर की पहचान-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रविवार को खजांची ब्रदर्स प्रजेंट एके ओपन माईक कापिटीशन २०२६ में सिंगरो की प्रतिभाओं ने एक से बढकर गीतो की प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित किया। इस दौरान

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की जब हमने देवधर क्रिकेट की शुरूवात की थी तब हमे भी नही पता था की इसका व्यापक स्वरूप आज देशभर में विशिष्ट पहचान कायम करेगा। आज संगीत के इस कार्यक्रम की भले ही शुरूवात है किंतु आने वाले समय में यह भी एक बडा मुकाम हासिल करके रहेगा। हमने वारासिवनी में सभी तरह की प्रतिभाओं को मंच, मैदान व प्रोत्साहन दिया है और यही अंदाज आज हमारे क्षेत्र को अन्य महानगरो तक से परे रखता प्रतित हो रहा है। इस दौरान अनेक कलाकार ने अनेको फिल्मी स्टारो की आवाज की कापी कर अपनी कला का परिचय कराया। इस प्रतियोगिता में लगभग ३० सिंगर अपनी अपनी आवाज का लोहा मनवाने के लिये पुरी ताकत लगाते हुये भी प्रतित हुये। जिसमें जज के रूप में सुश्री माही शुक्ला ,वेंदाक बघेले,शीतल मरठे और सागर राठौर को क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय ईनाम का विजेता घोषित किया।

किसान गर्जना वारासिवनी ब्लॉक अध्यक्ष बने नंदकिशोर पंचेश्वर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबुदा में किसान गर्जना संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक किसान गर्जना जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे सहित अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें किसानों के ज्वलंत मुद्दों सहित संगठन के विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया

गया। वहीं नंदकिशोर पंचेश्वर नदीटोला निवासी को जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे के द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष की अनुशंसा वाला पत्र सौंप कर वारासिवनी ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया है। वहीं कार्यकारिणी विस्तार के लिए कहा गया है । इसी के साथ किसानों को हो रही विभिन्न समस्याओं पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा के उपरांत शासन प्रशासन को जगाने के विषय पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने बताया कि किसान गर्जना संगठन के माध्यम से लगातार किसानो की आवाज को बुलंद करने का कार्य हमारे द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में संगठन का भी विस्तार किया जा रहा है ,वारासिवनी ब्लॉक अध्यक्ष नंदकिशोर पंचेश्वर को बनाया गया है। आशा करते हैं कि यह किसानों के हक में निर्णायक लड़ाई लड़ने सदैव तैयार रहेंगे। वर्तमान में किसान बहुत परेशान है बिजली ,पानी और खाद की आवश्यकता है वह भी उन्हें प्राप्त नहीं हो पा रही है। लगातार किसान परेशान हो रहा है कई बार शासन प्रशासन से धरना आंदोलन के माध्यम से मांग की गई है किंतु उस पर भी शासन का सकारात्मक रवैया देखने नहीं मिला है। जो काफी निराशाजनक हमारे लिए है हम यही चाहते हैं कि शासन किसानो पर विशेष रूप से ध्यान दें क्योंकि यह देश की पहचान अन्नदाता है। इस अवसर पर उपेंद्र जमरे ,जयराम मानेश्वर ,धनराज मानेश्वर, कवन कावरे ,रूपेश मानेश्वर ,राजेंद्र मात्रे, खिलेश पंचेश्वर, साधुराम बाहेश्वर, कैलाश मानेश्वर, सुनील मानेश्वर सहित अन्य ग्रामीण जन मौजूद रहे।

होलिका दहन के लिए पंजीयन अनिवार्य, गौकाष्ठ का ही दहन करें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय भोपाल एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी बालाघाट के निर्देश के परिपालन में नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा आम नागरिकों एवं समस्त होलिका दहन समितियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नगरपालिका परिषद बालाघाट ने अपील की है कि जिले/क्षेत्र में आयोजित होने वाले सभी सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का अनिवार्य रूप से नि:शुल्क पंजीयन कराया जाए। सार्वजनिक सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ एवं उपलों (कंडों) का उपयोग करने की सलाह दी गई है। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि होलिका दहन बीच सड़क पर न किया जाए तथा दहन स्थल का चयन करते समय विशेष सावधानी बरती जाए। होलिका दहन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि होलिका मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के तारों या अन्य सार्वजनिक विद्युत वायरों के नीचे अथवा उनके मध्य में न जलाई जाए। इसके अतिरिक्त भंडारण स्थलों, दुकानों एवं आवासीय मकानों के समीप भी होलिका दहन न करने की अपील की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

मजदूरी के रुपए मांगने पर साले ने बहनोई से की मारपीट,ईंट मार कर सर फोड़ा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बड़ा पाला में मजदूरी के पैसे मांगने पर एक व्यक्ति को उसके साले ने मारपीट कर दिया और ईंट से मारकर उसका सर फोड़ दिया। मारपीट में घायल व्यक्ति राकेश पिता स्वर्गीय मोहन सिंह अहिरवार 33 वर्ष विजयनगर थाना कलमना जिला नागपुर निवासी है। इस मामले में किरनापुर पुलिस ने इस व्यक्ति के साले सुरेंद्र पिता परदेसी कुमरे बड़ा पाला निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश अहिरवार राजमिस्त्री का काम करता है। 20 दिन पहले राकेश अहिरवार अपने परिवार के साथ अपने ससुराल ग्राम बड़ा पाला आया था। और अपने ससुर परदेसी कमरे के यहां मकान निर्माण का कार्य कर रहा था। 28 फरवरी की रात 10:30 बजे करीब राकेश अहिरवार ने अपने साले सुरेंद्र कुमरे से होली के पूर्व खर्चे के लिए मजदूरी के पैसे मांगा। किंतु सुरेंद्र कुमरे ने उसे पैसे नहीं दिए और वह उसे अश्लील गालियां देने लगा था। राकेश अहिरवार ने अपने साले को गालियां देने से मना किया। तभी सुरेंद्र कुमरे ने आवेश में आकर अपने जीजा राकेश अहिरवार को हाथ भूसे से मारपीट करने के साथ ही ईंट उठाकर मारा जिससे उसका सर फट गया। सुरेंद्र कुमरे ने मारपीट करने के बाद अपने जीजा राकेश अहिरवार को रुपए मांगने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। पत्नी आराधना अहिरवार और ससुर परदेसी कुमरे के द्वारा बीच बचाव करने के बाद राकेश अहिरवार रिपोर्ट करने किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा । किरनापुर पुलिस ने राकेश अहिरवार का इलाज करवाने के बाद उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके साले सुरेंद्र कुमरे के विरुद्ध गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

सामाजिक चेतना और आध्यात्मिक एकता का हुआ संगम

रेंगाटोला-जागपुर में परमात्मा एक सेवक मंडल की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न
बाबा जुमदेव जी की विशेष पूजा अर्चना कर आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर ग्राम रेंगाटोला-जागपुर क्षेत्र में रविवार 1 मार्च को परमात्मा एक सेवक मंडल की त्रैमासिक समीक्षा एवं चिंतन बैठक गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। इस आयोजन में बालाघाट जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों से आए सेवक-सेविकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। वहीं नागपुर एवं अन्य राज्यों से पहुंचे पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देने पर विचार किए।कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक प्रार्थना एवं भक्ति से की गई, जिससे परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। इसके बाद संगठन की अब तक की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन तक सीमित न रहकर सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना भी रहा।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने समाज सेवा और जागरूकता अभियानों को अधिक व्यापक रूप से संचालित करने का संकल्प लिया। रेंगाटोला-जागपुर में आयोजित यह बैठक आध्यात्मिकता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देने में सफल रही।

जनजागरुकता का दिया गया सन्देश

बैठक के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे जन-जागरूकता अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित जनसमूह को

अधिक से अधिक पौधारोपण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया।

एकेश्वरवाद की भावना लाना ही कार्यक्रम का उद्देश्य-पराते

परमात्मा एक सेवक मंडल वर्धमान, नागपुर के संचालक टीकाराम पराते ने बताया कि संगठन का उद्देश्य अंधविश्वास को समाप्त कर लोगों को सत्य, सद्भाव और एकेश्वरवाद की भावना से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और सच्ची भक्ति मन की पवित्रता से होती है। समाज में भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

सकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है- बारेलाल

गर्रा से मार्गदर्शक लालदास बारेकर ने बताया कि यह बैठक मंडल की नियमित त्रैमासिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें जिलेभर के सेवक-सेविकाएं एकत्र होकर संगठन की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों और भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श करते हैं। उन्होंने कहा कि मंडल समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने आयोजक विनोद साकरे मार्गदर्शन रेंगाटोला, उद्घाटक भैया लाल हलमारे, राधेश्याम कनौजे, टीकाराम वरकडे, नूर सिंह अडमे और एमएल.बिसेन आदि का विशेष योगदान रहा।

न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला बालाघाट म.प्र.

आम सूचना

क्रमांक / 95 / नजूल रीडर / 2026 **बालाघाट तारीख 27/02/2026**

आवेदक अमीरूद्दीन, इस्लाउद्दीन, एजाजुद्दीन पिता स्व. सिराजुद्दीन निवासी वा.न. 03 बैहर रोड द्वारा बालाघाट नजूल शीट कमांक 24 ए प्लाट नंबर 34 क्षेत्रफल 152 वर्गमीटर भूमि के धारक सिराजुद्दीन पिता अब्दुल अजीज खां निवासी बालाघाट के नाम नजूल रिकार्ड में दर्ज है। धारक सिराजुद्दीन पिता अब्दुल अजीज खां निवासी बालाघाट की मृत्यु पश्चात् उनके आश्रित वारसानों का नाम दर्ज किये न्यायालय नजूल बालाघाट में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके आधार पर नामांतरण की कार्यवाही में हित रखने वाले व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि या तो स्वयं अथवा किसी अभिभाषक द्वारा उपस्थित होकर लीज नवीनीकरण में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो निश्चित दिनांक 18/03/2026 को कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गढ़वाल समाज स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गढ़वाल स्थापना दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल महासभा समाज द्वारा जिला मुख्यालय में भव्य रैली एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहा आयोजन स्थल नूतन कला निकेतन में सुबह से ही सामाजिक बंधुओं का उत्साह देखने को मिला।जहा रंगोली, गायन, पारंपरिक नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ दिनभर कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती रही।वही शाम 4 बजे रैली का शुभारंभ नूतन कला निकेतन से हुआ, जो शहर के प्रमुख मार्गों — सराफा बाजार, काली पुतली, आम्बेडकर चौक और हनुमान चौक से होते हुए पुन: नूतन कला निकेतन भवन पहुंची। रैली के दौरान हनुमान मंदिर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने माथा टेका। वहीं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर आम्बेडकर चौक में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।रैली मार्ग में जगह-जगह सामाजिक बंधुओं द्वारा शामिल स्वजातीयों के लिए पानी की व्यवस्था की गई, जिससे समाज की सेवा और सहयोग भावना भी देखने को मिली।

गढ़वाली गीतों की धुन पर थिरका समाज, झांकिया रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

उधर नगर भ्रमण रैली के दौरान गढ़वाली गीतों की धुन पर समाज के युवा, महिलाएं और युवतियां जमकर झूमे। जय गढ़वाल तै गढ़वाल के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान गढ़वाल समाज के सबसे पहले बने संगठन के इतिहास एवं स्थापना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

साझा की गई, जिससे नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का संदेश मिला।रैली में आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें गढ़वाल समाज के महापुरुषों के छायाचित्र के अलावा समृद्ध संस्कृति, परंपरा और वीरता को दर्शाया गया। दूर-दराज से आए सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।यह आयोजन न केवल स्थापना दिवस का उत्सव रहा, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और गौरव का भव्य प्रदर्शन भी साबित हुआ।स्थापना दिवस कार्यक्रम में अखिल भारतीय गढ़वाल महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र नागेश्वर, पीताम्बर नागेश्वर, प्रदीप खरे , प्रकाश अर्जुनवार, राहुल शिववंशी, संतोष अर्जुनवार, शैलेन्द्र बनवाले ,अमर हरिन्द्रवार,विवेक शिववंशी, हितेश अजीत,किशोर दिनेवार,दयाशंकर अजीत,प्रभुधन सोलंकी, प्रदीप हरिन्द्रवार, शैलेन्द्र बनवाले, कमलेश अजीत, गौतम ब्रम्हे मीडिया प्रभारी हितेश अजीत,शरद धानेश्वर सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मुनाफे की भूख में बिक रहीं नकली मिठाइयां और खाद्य सामग्री

मिलाए जा रहे मिठाइयों में प्रतिबंधित रंग, रासायनिक एसेंस से तैयार हो रहे स्वाद

रिपोर्टर ।
पदमेश न्यूज। बालाघाट ।

होली का पर्व करीब आते ही खाद्य सामग्रियों के सौदागर अपना मुनाफा बढ़ाने जमकर मिलावटखोरी कर रहे हैं। नकली तेल, नकली घी, नकली मावा व नकली आकर्षण पैदा करने उनमें प्रतिबंधित कलर मिलाए जा रहे हैं। लोगों का स्वास्थ्य खराब होता है तो होता रहे उनकी बला से।

गुणवत्ता हीन मसालों का इस्तेमाल कर मिठाई, नमकीन व अन्य सामग्रियां बनाई जा रहीं हैं। इन्हें इस बात का कोई खौफ नहीं कि कानून व्यवस्था नाम की भी कोई चीज है। कानून का कोड़ा चलाने वालों को इन्होने बंधुआ बनाकर रख लिया है। मिठाइयों में बाजारो में मिल रहे स्वीट्स को ही देख ले मिष्ठान भंडार तो इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यहां जनस्वास्थ्य के लिए हानिप्रद पाम आयल का उपयोग किया जा रहा है। पाम आयल से मिठाइयां व अन्य नाश्ते के सामान बनाए जा रहे हैं।

घटिया तेल से अन्य नमकीन व कचौरियां समोसे आदि बनाकर बेचे जा रहे हैं। डाक्टरों का मानना है कि इस तेल से किडनी की शिकायत हो सकती है। इसके वहां पाम आयल के पूरे केन आते हैं और यह इस तेल का एक बड़ा उपभोक्ता है।

लोगों को लगा रहे चूना

इसके अलावा केसर, इलाइची व अन्य सामानों के रासायनिक एसेंस उपयोग में लाए जा रहे हैं। दो कौड़ी की मिठाई सैकड़ों रुपए किलो बेच कर मुनाफा कमाया जा रहा है और लोगों को चूना लगाया जा रहा है। जानकारी तो यह भी भी। मिली है कि इस दूकानदार द्वारा बड़ी कंपनियों के नाम का उपयोग कर स्वयं का घटिया प्रोडक्ट बेचा जा रहा है। जिसमें मैन्यूफैक्चर व एक्सपायरी कुछ दर्शित नहीं रहता।

कानून को नजरअंदाज कर धड़ल्ले से दे रहे कार्य को अंजाम

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कानून बनने के बाद भी इसका पालन नहीं हो रहा है। इस कानून का नजरअंदाज किए जाने पर कड़ी कार्यवाही का प्रावधान है। लेकिन खाद्य विभाग द्वारा मैदानी स्तर पर न तो इसका पालन कराया जा रहा हैं और ही दुकानों में इसकी मानिटरिंग की जा रही है। हालात यह हैं कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 58 के तहत कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है। इसमें अधिकतम दो लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जाता है।

बस हड़ताल स्थगित, बस ऑपरेटरों की मांगे मुख्यमंत्री ने मानी,राजपत्र आदेश फिलहाल सस्पेंड

बालाघाट सहित सम्पूर्ण मप्र में यथावत चलेगी बसें, 2 मार्च से नही होगी हड़ताल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पिछले दिनों सरकार द्वारा लागू की गई नई परिवहन नीति के विरोध में बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश के बस ऑपरेटरो ने दो मार्च से बसों के पहिए जामकर आनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने का ऐलान किया था, लेकिन सम्पूर्ण मप्र में 2 मार्च से प्रस्तावित बस एसोसिएशन की हड़ताल शुरू होने से पहले ही समाप्त हो गई है। राज्य सरकार और बस संचालकों के बीच हुई सकारात्मक चर्चा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बस ऑपरेटरों की प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए नई परिवहन नीति से संबंधित दोनों राजपत्र आदेशों को फिलहाल सस्पेंड करने के निर्देश जारी कर दिए हैं इस फैसले के बाद 2 मार्च से प्रस्तावित हड़ताल स्थगित कर दी गई है। अब बालाघाट सहित पूरे मध्यप्रदेश में बसों का संचालन पूर्ववत जारी रहेगा, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

होली पर्व में लोगो को मिली बड़ी राहत

आपको बताएं कि इस हड़ताल के पूर्व एसोसिएशन ने ज्ञापन देकर 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी थी ।जिससे होली पर्व पर दूर दराज से आने वाले लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था ।वही हड़ताल की खबर से लंबे रूट पर चलने वाली बसों में अधिक किराया देकर लोगो को सफर करना पड़ रहा है ।वहीं बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में संचालित होने वाली बसों पर हड़ताल संबंधी पोस्टर स्टीकर चिपकाकर 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल का प्रचार प्रसार किया जा रहा था। इससे पूर्व की यह हड़ताल शुरू हो पाती सरकार ने बस ऑपरेटरो की बात मान ली और नई परिवहन नीति के तहत जारी किए आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया ।जिसके चलते जिला बस एसोसिएशन ने भी 2 मार्च से होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल को रद्द कर दिया है जिसके चलते पूर्व की भांति बसों का यथावत संचालन जारी रहेगा, वही होली पर्व में बसों के बंद होने से होने वाली परेशानियों से भी यात्रियों को मुक्ति मिल गई है ।जिसकी तमाम जानकारी रविवार 1 मार्च को बालाघाट बस आपरेटर एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश चौहान और सचिव श्याम कौशल द्वारा दी गई।

पहली बैठक बे-नतीजा, दूसरी बैठक में बनी बात

बस एसोसिएशन पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि हड़ताल कि घोषणा को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा अपने अधिकारी परिवहन सचिव मनीष सिंह को आदेश दिया गया कि प्रदेश के मोटर मालिकों के संगठनों को बुलाकर तत्काल चर्चा करके समस्या का निराकरण करें। 28 फरवरी को सायंकाल 5बजे भोपाल में प्रदेश के दोनो बस ऐसोसिएशन के पदाधिकारिगणो एवं मोटर मालिकों से पहले दौर की चर्चा भोपाल स्थित एक पर की गई।

सभी उपस्थित हुए मोटर मालिकों,, ऐसोसिएशन के पदाधिकारी गणो द्वारा 24 दिसंबर 2025 को जारी राजपत्रपरिवहन नीति का खुलकर विरोध किया गया ।साथ ही राजपत्र का प्रकाशन किया गया जिसमें परिचालक सीट का टैक्स, सिटी बस को शहरी सीमा से बाहर तक चलाना का भी पुरजोर विरोध किया गया ,,साथ ही वर्तमान में स्थाई परमिट एवं अस्थाई परमिट जारी नहीं होने पर भी विरोध दर्ज कराया गया ।लेकिन बात चीत विफल रही ।उधर मुख्यमंत्री जी के निमंत्रण पर उनके निवास पर रात 9ः30 बजे बस ऐसोसिएशन पदाधिकारी गण के मध्य चर्चा का दौर शुरू हुआ ।जिंसमे सभी बिंदुओं पर बैठकर चर्चा की गई ।सीएम ने सभी पक्षों को सुनकर यह निर्णय लिया गया कि 24 दिसंबर 2025 का राजपत्र एवं जनवरी 2026 में जारी राजपत्र को तत्काल रद्द करने एवं एक कमेटी बनाकर आगामी चर्चा करने हेतु कहा गया है। मुख्यमंत्री के निर्णय पर परिवहन निती को निरस्त करने कि घोषणा कि गई।

नई परिवहन नीति के खिलाफ किया था हड़ताल का एलान

ज्ञात हो कि सरकार की सुगम परिवहन नीति के खिलाफ, बस संचालक खड़े हो गए थे और नीति को वापस नहीं लेने पर 2 मार्च की सुबह से बसों के पहिए अनिश्चितकाल तक जाम करने की चेतावनी दी थी ।नई परिवहन नीति के तहत जारी दो राजपत्र आदेशों को लेकर बस ऑपरेटरों में असंतोष था। उनका कहना था कि नई व्यवस्था से निजी बस संचालकों पर अतिरिक्त आर्थिक और प्रशासनिक बोझ पड़ेगा ।इसलिए बस ऑपरेटरों द्वारा मांग की जा रही थी कि की नई नीति के प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाए,पुराने परमिट नियमों को यथावत रखा जाए,टैक्स एवं फिटनेस संबंधी शर्तों में राहत दी जाए ।बस ऑपरेटर्स सरकार की सुगम परिवहन सेवा नीति को दमनकारी नीति बताते 2 मार्च की सुबह से बसों को जाम कर देने पर अड़े थे। जिसके बाद संगठन की मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद बस ऑपरेटर्स ने आंदोलन को वापस लेने का ऐलान किया है।

नही होंगी हड़ताल, यथावत रहेगा संचालन- मुकेश चौहान

जिला बस आपॅरेटर्स एशोसिएशन जिलाध्यक्ष मुकेश चौहान ने बताया कि प्रदेश संगठन की मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में विवादित राजपत्र को होल्ड करने का आश्वासन दिया गया है। जिसके बाद प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार 2 मार्च से बसों की हड़ताल को भी समाप्त किया जाता है। सभी यात्री बसों का संचालन पूर्व की तरह यथावत जारी रहेगा।

वो सीएम है, उन्हे अपने वादे पर खरा उतरना चाहिए- कौशल

जिला बस आपरेटर्स एशोसिएशन सचिव श्याम कौशल ने हड़ताल समाप्त होने की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 2 मार्च होने वाली हड़ताल का सम्पूर्ण मप्र में व्यापक असर था ।सीएम के साथ हुई दूसरी बैठक में सरकार ने हमारी मांगे मानते हुए राजपत्र में जारी आदेश और नई परिवहन नीति में किए गए बदलाव को रद्द करने का आश्वासन दिया है ।जिनके आश्वासन पर ही यह हड़ताल बस एसोसिएशन द्वारा समाप्त करने की घोषणा की गई है ।एक सावल के जवाब में उन्होंने कहा कि वो सीएम है कभी भी कोई कानून ला सकते है ।लेकिन हमें उम्मीद है कि सीएम दोबारा ऐसे काले कानून लागू नही करेंगे ।उन्हें आगे भी अपने वादों पर खरा उतरना चाहिए, यदि वे अपनी बात से पलटते है तो जनता समझ जाएगी और सरकार पलट देंगी।

महिला सशक्तिकरण बाईक रैली और सम्मान समारोह 7 को

रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन का प्रशिक्षण पूर्ण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं को सुरक्षा, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने के उद्देश्य से कार्य कर रही रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन की बालाघाट इकाई ने 2 माह का कौशल विकास प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है ।इसी कड़ी में आगामी 7 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा ।जिसकी तमाम जानकारी 1 मार्च रविवार को स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में संस्था की अध्यक्ष जयश्री सोनवाने सहित अन्य पदाधिकारियो द्वारा दी गई।

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए की जा रही पहल

संस्था अध्यक्ष जयश्री सोनवाने ने बताया कि फाउंडेशन निरंतर महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में 2 महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया, जिसमें प्रतिभागी महिलाओं को ऑटो रिक्शा संचालन, नर्सरी प्रबंधन एवं पौध उत्पादन, पेट्रोल पंप पर कार्य संचालन सहित अन्य रोजगारपरक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बताया गया कि प्रशिक्षण केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता को विकसित करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रशिक्षित महिलाएं अब स्वतंत्र रूप से रोजगार प्रारंभ करने या विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिए तैयार हैं।

7 मार्च को नगर में निकाली जाएगी रैली, होंगे विभिन्न कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के चलते एक दिन पूर्व 7 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सुबह 10 बजे कमला नेहरू से विशाल महिला सशक्तिकरण पिंक बाईक रैली निकाली जा रही है। जो नगर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुये वापस कार्यक्रम स्थल कमला नेहरू पहुंच संपन्न होगी। दोपहर 12 बजे से स्वागत समारोह व रक्षिका वाहन परिवहन सेवा का शुभारंभ, रोजगार प्रशिक्षण का समापन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र शासन के केबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, अध्यक्षता भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती राजो मालवीय व विशेष अतिथि पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, नपा अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर शानू चौधरी, खान प्रबंधक विवेक कुमार पटेल, डीएसपी संतोष पटेल, कॉलेज चांसलर स्वाति जायसवाल, शासकीय आईटीआई प्राचार्य सपना चौधरी, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, कॉडीनेटर सीआरएफ वूमन व्हिल्स केरल, सुश्री नवीना पायस उपस्थित रहेंगे।

7 मार्च को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में नवाचार के तहत महिलाओं को 'पिंक ऑटो' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। यह पहल महिला सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन दोनों को ध्यान में रखकर की गई है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए जाएंगे और उनकी उपलब्धियों को मंच से साझा किया जाएगा ।संस्था ने शहर की महिलाओं से आह्वान किया है कि वे आगे बढ़कर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ लें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। फाउंडेशन का उद्देश्य भविष्य में और अधिक महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाना है ।कार्यक्रम में महिलाओं से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन की सभी पदाधिकारियों द्वारा की गई है।

नवदिवसीय आदिवासी प्रीमियर लीग का समापन

सुपर ओवर में ट्राइबल टाइटंस ने जीता खिताब

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट में आयोजित आदिवासी प्रीमियर लीग का समापन 1 मार्च को बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। स्थानीय उत्कर्ष विद्यालय मैदान में नव दिनों तक चली इस क्रिकेट प्रतियोगिता ने जिलेभर के खेल प्रेमियों को उत्साह से भर दिया। पहली बार आयोजित की गई इस लीग का उद्देश्य आदिवासी समाज के युवाओं को खेल के माध्यम से एक सशक्त मंच प्रदान करना और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना था। प्रतियोगिता में जिले की लगभग 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच ट्राइबल टाइटंस और जंगल स्ट्राइकर के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जंगल स्ट्राइकर ने निर्धारित 12 ओवरों में 165 रन का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में ट्राइबल टाइटंस ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 ओवर में 165 रन बनाकर मैच को बराबरी पर ला दिया। मैच टाई होने के बाद निर्णय सुपर ओवर से किया गया। सुपर ओवर में ट्राइबल टाइटंस ने 6 गेंदों में 22 रन बनाए। जवाब में जंगल स्ट्राइकर 7 रन ही बना सकी, जिसके साथ ट्राइबल टाइटंस ने खिताब अपने नाम कर लिया। अंतिम क्षण तक चले इस मुकाबले ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया।

इन्हे किया गया पुरस्कार

फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चंद्रशेखर वलके उर्फ चंदूडॉन को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। पूरी श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले जंगल स्ट्राइकर के ओपनर बल्लेबाज हर्ष कुसरे को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 71,750 रूपये उपविजेता को 31,750 रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली भूमकाल वारियर्स टीम को 15,750 रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

समापन समारोह में झलकी सांस्कृतिक की छटा

फाइनल मुकाबले के बाद समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पारंपरिक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। बड़ी संख्या में समाज के लोग, खिलाड़ी और युवा उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन समिति की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता को मिली सफलता से वे उत्साहित हैं और अगले वर्ष इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को अवसर मिल सके। इस आयोजन ने न केवल खेल भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि समाज में एकता और सामूहिक सहभागिता का संदेश भी दिया। इस मैच में मुख्य अतिथि मौसम बिसेन , भारती ठाकुर अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, आईपीएल के संरक्षक दिनेश धुर्वे , संजय धुर्वे अध्यक्ष आदिवासी विकास परिषद छात्र , राजेंद्र उइके, ललित उइके , मोहन मरकाम एवं समस्त समिति आदिवासी युवा साथी उपस्थित रहे ।

वारासिवनी एवं किरनापुर पुलिस ने दी जानकारी क्षेत्र में ऐसी कोई घटना नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

क्षेत्र में सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर फैली बच्चा चोरी की अफवाहों को लेकर पुलिस ने आधिकारिक रूप से खंडन जारी किया है। दोनों मामलों में पुलिस की त्वरित जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि बच्चा चोरी की कोई घटना नहीं हुई है।

थाना वारासिवनी का मामला

28 फरवरी 2026 को डायल-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि अयोध्या बस्ती में दो अज्ञात व्यक्ति बच्चे को चाकलेट देकर उठाने की कोशिश कर रहे है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में पाया गया कि संदिग्ध युवक का नाम गौरव जामरे, उम्र 21 वर्ष गोंदिया महाराष्ट्र एवं दूसरा अरबाज खान 24 वर्ष फिरोजपुर उत्तर प्रदेश निवासी है दोनों बर्तन बेचने का कार्य करते हैं और दोनों क्षेत्र में कार्य के सिलसिले में आये हुए थे ।अपरिचित होने के कारण स्थानीय लोगों को संदेह हुआ और सूचना पुलिस को दे दी गई। पुलिस द्वारा मौके पर ही तथ्यात्मक जांच एवं सत्यापन किया गया। दोनों के विरुद्ध कोई आपराधिक तथ्य सामने नहीं आया ।वारासिवनी पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से खण्डन किया गया कि बच्चा चोरी जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

थाना किरनापुर का मामला

इसी प्रकार किरनापुर थाना क्षेत्र में भी 28 फरवरी 2026 को सूचना मिली कि ग्राम साल्हे में एक युवक को ग्रामीणों ने बच्चा चोरी के संदेह में पकड़ रखा है ।पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में पाया युवक का नाम अमबरिश पिता मुन्नासिंह 27 वर्ष है ।वह छपरा (बिहार) का निवासी है ।वह ग्राम साल्हे के पास स्थित केसर प्लांट में ऑपरेटर के रूप में कार्यरत है। कार्य से अवकाश के पश्चात ग्राम की ओर आया हुआ था। अपरिचित होने के कारण कुछ लोगों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दे दी गई ।पूछताछ और सत्यापन के बाद यह स्पष्ट हुआ कि युवक के खिलाफ कोई भी संदिग्ध गतिविधि नहीं पाई गई ।थाना किरनापुर ने भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में बच्चा चोरी की कोई घटना नहीं हुई है।

पुलिस की आमजन से अपील

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक खबर पर बिना सत्यापन विश्वास न करें।

सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरों को साझा न करें। अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध विधिक प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी संदिग्ध स्थिति में स्वयं कार्रवाई न करें, तुरंत डायल 112 पर सूचना दें।

किसी भी व्यक्ति के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार कानूनन अपराध है।

दोनों थाना क्षेत्रों में बच्चा चोरी की अफवाहें पूरी तरह निराधार पाई गई हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है।

जनता से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की गई है।

ठेकेदार ने आरटीआई आवेदन वापस लेने सरेआम

फोन पर धमकाया, अश्लील गाली गलौज और अभद्रता की

लालबर्रा में किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ने पुलिस से कार्यवाई की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

किसान कांग्रेस लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे के साथ एक ठेकेदार के द्वारा फोन पर अभद्रता और गाली-गलौच कर जान से मार देने की धमकी देने का ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। साथ ही किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष श्री ठाकरे को फोन पर ठेकेदार के द्वारा गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आने के बाद कांग्रेसियों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं इस घटना की निंदा करते हुए कांग्रेसियों ने रविवार को थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है एवं मांगे पुरी नही होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी प्रशासन को दी है।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने क्षेत्र में चल रहे एक निर्माणाधीन कार्य की घटिया गुणवत्ता को लेकर जनहित में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाई थी। इस शिकायत से बौखलाए संबंधित ठेकेदार जिसकी पहचान अबू शाह के रूप में हुई है। जिन्होने फोन पर किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे को जमकर अश्लील गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी है। जिसके बाद से श्री ठाकरे मानसिक रूप से परेशान है और इस घटना के संबंध में अपने पार्टी के उच्च पदाधिकारियों को अवगत भी करवा दिया है। वहीं श्री ठाकरे ने ठेकेदार के द्वारा फोन पर दी गई धमकी का आडियों भी बना लिया है। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार एवं किसान कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष भुरू पटेल के नाम लेकर उनकी भी छवि को ठेकेदार के द्वारा धुमिल करने का प्रयास किया गया है। ठेकेदार के द्वारा अभद्र भाषा का

उपयोग कर जान से मारने की धमकी देने का ऑडियों भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं जिस ठेकेदार का धमकी देने वाला ऑडियो वायरल हो रहा है उसे बालाघाट विधायक का करीबी भी बताया जा रहा है। इस घटना के बाद से किसान कांग्रेस एवं ब्लाक कांग्रेस पार्टी में भारी आक्रोश व्याप्त है। रविवार को दोपहर 2 बजे बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में कांग्रेसियों की एक बैठक संपन्न हुई। इस दौरान सभी कांग्रेसियों ने किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष श्री ठाकरे के साथ हुई घटना की निंदा करते हुए ठेकेदार अबू शाह पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है और विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष की छवि धुमिल करने का आरोप लगाया है। वहीं पीड़ित पक्ष का आरोप है कि ठेकेदार ने शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया और ऐसा न करने पर भविष्य में मारपीट करने व जान से मारने की धमकी भी दी। किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष के साथ घटित घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी लामबंद हो गये है और संगठन का कहना है कि एक जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी द्वारा भ्रष्टाचार के विरूध्द आवाज उठाना उनका संवैधानिक अधिकार है, लेकिन ठेकेदार द्वारा इस तरह का कृत्य लोकतंत्र का अपमान है और ठेकेदार अपने निजी लाभ के लिए और भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कांग्रेस संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद सभी कांग्रेसी रैली के माध्यम से थाना पहुंचे और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर ठेकेदार अबू शाह पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निजी स्वार्थ के लिये विधायक की छवि धूमिल कर रहा है ठेकेदार - कमल

वरिष्ठ कांग्रेसी कमल शांडिल्य ने बताया कि यह पूरा मामला शिकायतकर्ता और प्रशासन के बीच का था इसमें ठेकेदार के द्वारा हस्तक्षेप करना, शिकायतकर्ता किसान कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी देना, उस पर दबाव बनाकर शिकायत वापस लेने की बात कहना अनुचित है। जिसकी हम निंदा करते है क्योंकि ठेकेदार या निर्माण एजेंसी का काम होता है कि वे शासन की राशि का सही उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करे। वहीं आम जनता का काम है कि वे शासन के द्वारा जनहित में करवाये जा रहे निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो रहा है या नहीं इसकी देखरेख करे। यह उसका अधिकार है, निर्माण एजेंसी या ठेकेदार आमजनता पर इस तरह से दबाव नहीं बना सकती है। श्री शांडिल्य ने कहा कि ठेकेदार के द्वारा ऑडियों में कहा जा रहा है कि वह जो काम कर रहा है, विधायक के कहने पर कर रहा है परंतु विधायक के द्वारा उन्हे गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य करने नहीं कहा गया है। उनका नाम लेकर अपने निजी स्वार्थ के लिये विधायक की छवि को खराब करने का प्रयास भी ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है, ऐसे ठेकेदार पर कठोर कार्यवाही की जाये।

ठेकेदार ने जान से मारने की धमकी दी है - मुनेंद्र

किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि ठेकेदार अबू शाह के द्वारा मुझे फोन कर अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी गई है और जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ भी गलत शब्दों का प्रयोग किया गया है। जिसकी शिकायत हमारे द्वारा थाना प्रभारी से की गई है और पुलिस प्रशासन से मांग है कि ठेकेदार पर कठोर कार्यवाही करें।

कार्यवाही नही होने पर करेगें आंदोलन - मनीष

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि हमारे संगठन के पदाधिकारी मुनेंद्र ठाकरे के द्वारा विश्राम गृह में हुए निर्माण कार्य की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की गई थी और शिकायत वापस लेने के लिए ठेकेदार अबू शाह के द्वारा उन्हे गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी गई है जिससे आक्रोशियों में आक्रोश व्याप्त है। श्री कुशवाहा ने बताया कि ठेकेदार विधायक जी की आड़ में कांग्रेस की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहा है और इन सभी कृत्य से विधायक जी की छवि भी धूमिल हो रही है। ठेकेदार की विरूध्द दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए और कार्यवाही नही होने पर उग्र आंदोलन किया जायेगा।

ठेकेदार का काम शिकायकता को संतुष्ट करना है धमकाना नहीं - मनीराम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि ठेकेदार के द्वारा हमारे संगठन के पदाधिकारी को फोन कर अश्लील गाली गलौच व जान से मारने की धमकी दी गई है। जिसकी शिकायत हमारे संगठन के द्वारा थाना प्रभारी से की गई है और ऐसे ठेकेदार के विरूध्द दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की गई है। श्री भोयर ने बताया कि किसी भी निर्माण एजेंसी या ठेकेदार का कर्तव्य होता है कि वह गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करे। यदि उसके निर्माण कार्य की शिकायत होती है या गुणवत्ता पर सवाल उठाये जाते है तो ठेकेदार का दायित्व होता है कि वह शिकायतकर्ता को संतुष्ट करे। इस तरह से धमकी देना, गाली गलौच करना अशोभनीय है, ठेकेदार पर कार्यवाही नहीं होती है तो संगठन के साथ मिलकर आगामी रणनीति तैयार की जायेगी।

इनका कहना है-

कांग्रेसियों के द्वारा ज्ञापन सौंपा है और किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे को जान से मारने की धमकी देने वाले ठेकेदार पर कार्यवाही करने की मांग की है। मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

नशा मुक्त समाज से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान: व्यसनों से दूर रहने का दिया संदेश

भगवती मानव कल्याण संगठन का महाआरती कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट मार्ग पर स्थित लॉन में 1 मार्च को भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वाधान में भव्य महाआरती एवं सद्भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शक्तिपुत्र महाराज के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मां भगवती के भक्तों ने उपस्थिति दर्ज करवाई और समाज को नशा मुक्त व संस्कारवान बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन (शाखा लालबर्रा) द्वारा 5 घंटे का अखंड दुर्गा चालीसा पाठ एवं भव्य महाआरती का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भगवती मानव कल्याण संगठन के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ भगवती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात श्रध्दालुओं ने पूर्ण श्रध्दाभाव के साथ 5 घंटे तक निरंतर दुर्गा चालीसा का पाठ किया। जिसके बाद दोपहर में महाआरती के पश्चात उपस्थित जनसमुदाय को महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं मानपुर स्थित लॉन में आयोजित इस 5 घंटे के दुर्गा चालीसा पाठ एवं महाआरती सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल आध्यात्मिक चेतना जगाना ही नहीं, बल्कि समाज को कुरीतियों से मुक्त करना भी रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने बच्चों के भविष्य और पारिवारिक संस्कारों पर गहरा प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे एक कोरी किताब की तरह होते हैं, जो अपने बड़ों और पूर्वजों को देखकर ही सीखते हैं, बड़े बुजुर्गों के आचरण से ही उनमें संस्कारों का विकास होता है। वक्ताओं ने कहा कि कई अभिभावक अनजाने में या लापरवाही वश अपने बच्चों से ही नशे की सामग्री (जैसे बीड़ी, सिगरेट या शराब) मंगवाते हैं। वक्ताओं ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जब कोई पिता अपने बच्चे के सामने नशा करता है, तो वह न केवल अपना स्वास्थ्य खराब कर रहा है, बल्कि अपने बच्चे के मन में भी उस व्यसन के प्रति जिज्ञासा और आकर्षण पैदा कर रहा है। ऐसे आचरण से समाज का पतन होता है इसलिए सभी को नशा एवं गलत व्यसनों से दूर रहने की बात कही। साथ ही लोगों को चरित्रवान जीवन जीने, नैतिकता का पालन करने की प्रेरणा दी और सत्य के मार्ग पर चलकर, आध्यात्मिकता से जुड़कर एक स्वस्थ जीवन जीयें। इस दुर्गा चालीसा एवं महाआरती के अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन लालबर्रा अध्यक्ष राजेन्द्र पंचेश्वर, श्रीमती विमला पंचेश्वर (शाखा प्रमुख), सूरज लाल नागेश्वर (मंच संचालक), संदीप पंचेश्वर, नीलम पंचेश्वर, तोपेश डहरे, पवन पटले सहित अन्य सदस्य एवं श्रध्दालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आज होलिका दहन, 3 को चंद्रग्रहण, 4 मार्च को रंगों का त्यौहार

रंग-गुलाल, पिचकारी एवं बताशों की माला से सजी दुकानें

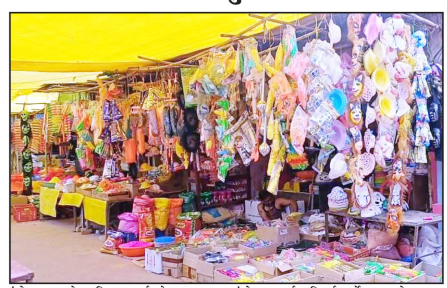

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दू धर्मालंबियों का 5 दिवसीय रंगोत्सव होली का त्यौहार 2 मार्च को होलिका दहन के साथ प्रारंभ हो जायेगाऔर 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने के कारण 4 मार्च को धुरेड़ी रंगोत्सव का तैयार मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा कर ली गई है जिनके द्वारा सोमवार को शुभ-मुहूर्त पर होलिका दहन किया जायेगा। होली त्यौहार को लेकर नगर मुख्यालय में रंग-बिरंगी पिचकारी, गुलालों, टोपियों, मुखौटों व बताशों के मालों से बाजार सज चुकी है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर खरीदी कर रहे है। वहीं इस बार बच्चों को लुभाने के लिए विभिन्न डिजाइन की पिचकारियां बाजार में उपलब्ध है परन्तु बाजार में रौनक कम नजर आ रही है जिसका मुख्य कारण महंगाई को माना जा रहा है। वहीं कुछ दुकानदार तो दुकान सजाकर ग्राहक का इंतेजार करते भी नजर आये जिनका कहना है कि होली पर्व को लेकर सामग्री की खरीदी कर लिये है परन्तु पर्व को शेष एक दिन बचा है, व्यापार बहुत मंदा चल रहा है। जितनी राशि का सामान खरीदी कर लाये है उतना निकलना भी मुश्किल है। इस तरह बढ़ती महंगाई के कारण व्यापारियों का व्यापार मंद चल रहा है जिन्हे उम्मीद है कि होलिका दहन के दिन 2 मार्च को व्यापार में उछाल आ सकता है इसलिए दुकानदारों के द्वारा रंग-गुलाल, रंग-बिरंगी पिचकारी एवं बताशों की माला से दुकानों को सजा ली गई है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर खरीदी भी करेगें। आपकों बता दे कि इस रंगोत्सव का पर्व प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है और होलिका दहन के दूसरे दिन धुरेड़ी रंगोत्सव का पर्व मनाया जाता है। लेकिन इस वर्ष धुरेड़ी यानि रंगोत्सव के दिन दोपहर से चंद्रग्रहण लगने वाला है और चंद्रग्रहण लगने से 9 घंटे पूर्व सूतक लग जाता है इसलिए होलिका दहन के दूसरे दिन रंगोत्सव का पर्व नही मनाया जायेगा, तीसरे दिन 4 मार्च को रंगोत्सव का पर्व मनाया जायेगा। इसलिए इस वर्ष होली पर्व को लेकर लोग असमंजस्य में है कि होलिका दहन के दूसरे दिन धुरेड़ी रंगोत्सव मनाये या फिर 4 मार्च को इस कारण से होली का पर्व भी फीका पड़ता नजर आ रहा है।

महंगाई का दिखा असर

रंगो का त्यौहार हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा 2 मार्च को क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। रंगोत्सव पर्व को लेकर लोगों में उत्साह कम नजर आ रहा है जिसका मुख्य कारण बढ़ती महंगाई के साथ ही 3 मार्च रंगोत्सव के दिन चंद्रग्रहण है, जिससे भी माना जा रहा है। साथ ही होली पर्व पर मार्केट में बताशों की मालाएं, आर्कषक पिचकारियां, रंग गुलाल, टोपियों व मुखौटे से बाजार क्षेत्र गुलजार हो गया है। होली दहन के एक दिन पूर्व 1 मार्च को नगर मुख्यालय के बाजार क्षेत्र में होली पर्व को लेकर भीड़ बाजार क्षेत्र में दिखाई नही दी जिससे दुकानदार भी मायूस नजर आये। वहीं 2 मार्च को व्यापार उठने की उम्मीद व्यापारियों को है।

आज होगा शुभ-मुहूर्त पर होलिका दहन

हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा पांच दिवसीय रंगोत्सव पर्व प्रतिवर्ष हर्षोल्लास से मनाया जाता है। साथ ही देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने का अलग-अलग तरीका होता है। इस वर्ष 2 मार्च को रात्रि में शुभ-मुहुर्त पर होलिका दहन होने के बाद तीसरे दिन 4 मार्च को धुरेड़ी पर्व मनाया जायेगा। जिसमें लोग गिले शिकवे भूलकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर बधाई देंगें। धार्मिक परंपराओं के अनुसार आज भी शक्कर की चासनी से बनाई जाने वाली माला होली की प्रमुख मिठाई है। ग्रामीण क्षेत्रों में माला को भेंट कर व गले में पहनाने की परम्परा आज भी बरकरार है।

4 मार्च को मनाया जायेगा रंगोत्सव का पर्व - पं. रंजीत

दूरभाष पर चर्चा में पंडित रंजीत शर्मा ने बताया कि शुभ-मुहूर्त पर 2 मार्च को होलिका दहन किया जायेगा, लेकिन दूसरे दिन 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने के कारण रंगोत्सव का पर्व 4 मार्च को मनाया जायेगा क्योंकि इस वर्ष 3 मार्च को बहुत बड़ा चंद्रग्रहण है। इस दिन कोई भी शुभ कार्य नही

भांडामुर्री के गायत्री प्रज्ञापीठ में 34 वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पिपलेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा और सेना में चयनित वीरों के माता-पिता का किया गया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट और सिवनी जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री में गत दिनों गायत्री प्रज्ञापीठ के दो दिवसीय 34 वें वार्षिक उत्सव एवं पिपलेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम परम पूज्य गुरूदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में अत्यंत गरिमामयी ढंग से संपन्न हुआ। जिसमें अध्यात्म और सेवा की त्रिवेणी दिखाई दी। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित इस उत्सव ने क्षेत्र के वासंती वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस उत्सव के प्रथम दिन 27 फरवरी को प्रातः 11 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण पिपलेश्वर महादेव की दिव्य झांकी रही, जो सुसज्जित नंदी महाराज की पालकी में विराजित होकर लोक दर्शन हेतु निकले। आकर्षक झांकियों और वाद्य यंत्रों की गूंज के साथ महादेव ने अपने सहचरों के साथ ग्राम के मुख्य मार्गों का भ्रमण किया। संध्या काल में दीपयज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों दीपों की लौ से वातावरण देदीप्यमान हो उठा। इस दौरान श्री सत्य साईं सेवा समिति द्वारा प्रस्तुत शिव भजनों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 फरवरी को बालाघाट से पधारे विद्वान मनीषियों के सान्निध्य में 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। टोली नायक पुष्पेश्वर पिछोड़े एवं विद्वान साथियों द्वारा वैदिक मंत्रों चार के बीच आहुतियां डाली गई। इसी पावन वेला में चारुदत्त जोशी द्वारा पिपलेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न करवाई गई। साथ ही मुंडन संस्कार, विद्यारंभ संस्कार और गुरू दीक्षा संस्कार संपन्न करवाये गये। विशेष आकर्षण के रूप में ग्राम पखारा (जिला सिवनी) से पधारे दंपति चि. रितेश पटले एवं आयुष्मति साधना पटले का पुनर्विवाह संस्कार वैदिक रीति से करवाया गया। साथ ही इस धर्मिक उत्सव में राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण तब देखने को मिला जब ग्राम के चार नवयुवकों के भारतीय सेना में चयनित होने पर उनके माता-पिता का सम्मान गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य महेश खजांची एवं ढालसिंह बिसेन द्वारा मंगल तिलक लगाकर किया गया। साथ ही ग्राम के वरिष्ठ नागरिक शेखलाल कावरे एवं दीपलाल बोपचे द्वारा हनुमान जी एवं पिपलेश्वर महादेव की आजीवन पूजन-आरती करने का संकल्प लिया गया। वहीं गायत्री परिवार के तहसील समन्वयक वीरेन्द्र बिसेन ने शांति कुंज हरिद्वार में हाल ही में संपन्न हुए शताब्दी समारोह के निर्देशों से सभी को अवगत करवाया और गुरूदेव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात्रि में रामायण पाठ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ संयोजक बुध्दसिंह पारधी, गायत्री परिजनों, सत्य साई सेवा समिति और भाण्डामुर्री सहित अन्य ग्रामों के श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संदीप सॉ मिल को दक्षिण सामान्य डीएफओ ने किया सील

आरा मिल सत्यापन में बगैर टीपी के लट्ठे एवं चिरान हुए बरामद

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के कटंगी मार्ग पर टोंडिया नाला किनारे स्थित संदीप सॉ मिल में वन विभाग के द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही सत्यापन के लिए पहुंचे दक्षिण सामान्य वनमण्डल के डीएफ ओ नित्यानंथम एल की उपस्थिति में की गई। जहाँ आरा मिल सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में चिरान और लट्ठे बरामद किए गए जो बिना टीपी के थे। वहीं मौके पर लकड़ी के संबंध में वैध दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। जहां तत्काल संदीप सॉ मील को सील करने की कार्यवाही कर प्रकरण तैयार किया हैं।

यह हैं मामला

वन विभाग के निर्देश और नियमों का पालन करते हुए आरा मिलो का संचालन सभी जगह किया जाता है। ऐसे ही दक्षिण सामान वन मंडल वन परिक्षेत्र वारासिवनी अंतर्गत भी आरा मिलो के द्वारा लकड़ी चिराई का कार्य किया जा रहा है। जिसमें वन विभाग के द्वारा समय समय पर अपने.अपने क्षेत्र में संचालित आरा मिलो का सत्यापन किया जाता है कि समस्त नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं और किस प्रकार आरा मिल संचालित हो रही है कहीं कोई अनियमित्ता तो नहीं है। ऐसे ही सत्यापन के लिए दक्षिण सामान्य बालाघाट रेंज के डीएफओ नित्यानंथम एल के द्वारा शनिवार को वारासिवनी पहुंचे। जिनके द्वारा विभाग को आरा मिल सत्यापन पर चलने के लिए निर्देश दिए गए। जिसके बाद डीएफओ वन अमला लेकर कटंगी रोड़ टोंडिया नाले किनारे स्थित संदीप सॉ मील पहुंचे। जहां पर बारीकी से डीएफओ के द्वारा पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया। वहीं मौके पर संचालक के रूप में मौजूद व्यक्ति से मिलकर दस्तावेज भी मांगे गए जिनकी बारीकी से जांच की गई।वहीं परिसर में बड़ी संख्या में रखी हुई लकड़ियों की जानकारी लेकर उनके वैध दस्तावेज टीपी के रूप में मांगे गए परंतु वह मौके पर उपलब्ध नहीं करा पाए। जिससे बगैर टीपी की विभिन्न प्रकार की सत्कट्टा प्रजाति की लकड़ियां मौके पर रखी होने से सभी को अवैध मानकर तत्काल आरा मिल को सील करने का निर्देश जारी किया गया। वहीं मौके पर वीडियो ग्राफी का वन अमले को प्रकरण तैयार कर उनके कार्यालय को भेजना निर्देश दिए गए। जिस पर वन हमले के द्वारा आरा मिल को संकल से बांधकर ताला लगाकर सील कपड़ा लगाकर सील किया गया। वहीं मौके पर एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी ५० जी ०७८३ भी खड़ी थी जिसमें चिराई हुए लकड़ी के करीब ८० नग चिरान रखी हुई थी।जिसे जप्ती बनाकर कार्यालय में लाकर खड़ा कर दिया गया है। वहीं मामले में संदीप सॉ मिल के खिलाफ मध्य प्रदेश काष्ट चिरान अधिनियम १९८४ की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण तैयार कर जांच में लिया गया है।

आरा मिल को सील कर लकड़ी की बरामद

दक्षिण सामान्य डीएफओ नित्यानंथम एल के नेतृत्व में वन विभाग वारासिवनी के द्वारा संदीप सॉ मिल में सत्यापन करने पहुंचे। जहां आरा मिल का सत्यापन के दौरान विभिन्न अनियमितता सामने आई। जिसमें सत्कट्टा प्रजाति की बड़ी संख्या में चिरान और लट्ठे बिना टीपी के पाये गये जिस पर संदीप सॉ मिल को सील कर दिया गया। इस दौरान आरा मिल से १००३ नग चिरान यानी करीब ४ घन मीटर से अधिक लकड़ी एवं ५८ नग लट्ठे जो करीब ९.७६३ घन मीटर थे जिन्हें वन विभाग के द्वारा जप्ती बना लिया गया है। यह कार्यवाही शनिवार को ताबड़तोड़ तरीके से की गई वहीं आरा मिल संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया। इस कार्यवाही में दक्षिण सामान्य डीएफओ नित्यानंथम एल के नेतृत्व में डिप्टी रेंजर तारचंद डोंगरे,भवानी बिसेन ,आलोक पटले, रवदीप बोरकर ,जितेंद्र परमार ,हिरकन हटेवार ,इंदु डायरे ,जगदीश बांगडे ,धर्मेंद्र बघेल सहित अन्य वनरक्षक और सुरक्षा कर्मी का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक पटेल ने क्षेत्र के विकास के लिये विधानसभा बजट सत्र में रखी गई मांगे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधायक विवेक पटेल ने प्रेसवार्ता आयोजित कर बताया कि विधानसभा बजट सत्र १६ फरवरी से २७ फरवरी तक सदन कार्यवाही में क्षेत्र क्रमांक ११२ वारासिवनी खैरलांजी के अति आवश्यक कार्य एवं मुद्दो को सदन में रखा गया। जिसमें क्षेत्र में सामुहिक विवाह में गरीबी रेखा, बी.पी.एल. एवं सीमित संख्या १०० से अधिक शामिल नही किए जाने को सदन में उठाया गया एवं इसके संबंध में संबंधित मंत्री से पत्राचार कर लगाई गई बाध्दता को खत्म करने का आग्रह किया गया। सदन में क्षेत्र विकास के लिए,लोक निर्माण विभाग, पी.डब्ल्यू.डी की अतिमहत्वपूर्ण सड़कों को बजट में शामिल कर स्वीकृति प्रदान करने का विषय सदन में उठाया गया। वारासिवनी से कोस्ते,मेंडकी, डोंगरमाली,बेनी,रेंगाटोला कुल ४७ कि.मी. मार्ग को ७ मीटर चौड़ा करने,सिंकद्रा से बेनी, आरंभा,साकड़ी से बेनी, खैरी से सालेटेका,मोहगांवखुर्द से आकुटोला, मुरझड़ से कोसरीटोला, सरंडी से सावंगी, खापा से झालीवाड़ा, कासपुर से आलेझरी, कन्हड़गांव से भानपुर पुलियां निर्माण । इस प्रकार कुल १५ सड़के अतिआवश्यक मार्गो में शामिल कराई गई। विधायक पटेल ने बताया कि क्षेत्र के तालाब जीर्णोद्धार के संबंध में लगातार मंत्री, जल संसाधन विभाग से भी पत्राचार किया गया एवं उक्त कार्य हेतु सदन का ध्यान आकर्षित किया गया। जिसके फ्लस्वरूप ३ तालाबों की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई हैं।जिसमें बकेरा २२.६२ लाख , लालपुर ११.६८ लाख , चिखला ९.५२ लाख, साथ ही तीन स्टापडेम निर्माण गुनई से चुटिया, बकोड़ी से पिंडकेपार एवं सावरी से घोटी विचाराधीन है। विधायक पटेल ने बताया कि किसानों के कृषि भूमि की सिंचाई करने हेतु क्षेत्र की नहरों की लाईनिंग एवं मरम्मत कार्य यथाशीघ्र कराने हेतु सदन में मंत्री का ध्यानाकर्षण कराया गया।तहसील मुख्यालय खैरलांजी में ५० बिस्तर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत हो चुका हैं, परंतु भवन निर्माण का कार्य अभी तक प्रारंभ नही किया गया हैं इसके संबंध में कार्य यथाशीघ्र प्रारंभ करने विषय सदन में उठाया गया। विकासखंड वारासिवनी एवं विकासखंड खैरलांजी में स्वीकृत आई.टी.आई. का भवन निर्माण यथाशीघ्र पूर्ण कर कक्षाएं संचालित करने हेतु सदन में विभाग का ध्यानाकर्षण कराया गया। धार्मिक स्थल ग्राम रामपायली को आस्था एवं पर्यटन की दृष्टि से सुदृढ़ करने हेतु भगवान श्रीराम की १०८ फिट मूर्ति की स्थापना एवं ग्राम रमरमा को पर्यटन स्थल घोषित किये जाने हेतु विषय को सदन में उठाया गया। खैरलांजी मुख्यालय में १३२ के.व्ही. उपकेन्द्र की स्थापना हेतु सदन का ध्यानाकर्षण कराया गया एवं विभाग को आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बजट २०२५-२६ में सम्मिलित सड़के खैरी से गोंडीटोला-सावरी मार्ग,खैरी पंवारीटोला से खैरी -मरघटटोला मार्ग, किन्ही से खैरी मार्ग,डोके से बिटोड़ी मार्ग ,साकड़ी पांचोटोला से डांगुरली घाट मार्ग, गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग, रेंगाझरी से भजियादंड मार्ग,झालीवाड़ा-बासी-अंसेरा-जरहामोहगांव मार्ग की स्वीकृति प्रदान की गई है।

रंगोत्सव-होली पर सजने लगी रंगों की दुकान

बाजार में बच्चों की बढ़ी चहल-पहल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आपसी गिले शिकवे भुलाकर दोस्ती में रंगने का उत्सव रंगोत्सव का ५ दिवसीय पर्व ३ मार्च से प्रारंभ हो रहा है। जिसमें ४ मार्च को पूरे क्षेत्र में धूरेड़ी का पर्व गुलाल उड़ाकर धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसको लेकर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में लोगों ने अपने अपने स्तर पर तैयारी प्रारंभ कर लिये है। पर्व को लेकर सभी उत्साहित नजर आ रहे है जिसके लिये नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर रंग बिरंगी पिचकारी, गुलालों, टोपियो, मुखौटों व बताशों के मालों की दुकानें सजने लगी है। जहाँ बच्चों के द्वारा अपनी पसंदीदा पिचकारी,मुखौटे, पोंगा तुर्रा सहित अन्य खिलौने की खरीदी की जा रही है। परन्तु बाजार में रौनक नजर आ रही है जिसका कारण महंगाई को माना जा रहा है। इस दौरान देखे तो ग्रामीण अंचल से लोग शहर में आ तो रहे हैं ,परंतु वह आवश्यकता अनुसार होली पर्व के लिए रंग गुलाल पिचकारी एवं अन्य सामग्री की खरीदी कम कर रहे है। साथ ही लोगों में होली पर्व को लेकर उत्साह नजर आ रहा है।

मेड इन इंडिया पिचकारी आकर्षण का केन्द्र

मंगलवार को होलिका दहन और बुधवार को धुरेंडी पर्व मनाया जायेगा। जिसको देखते हुए ही रंग की दुकान के सजने का क्रम शुरू हो गया है। जो दुकाने सज गई है उनमें खरीदी करने वाले ग्राहकों में ज्यादातर बच्चे है। जिनके द्वारा बालों को विशेष रूप से साज सज्जा करने के लिये इस बार मेडइन इंडिया से बनी पिचकारी व मुखोटा खरीदी करते हुए देखा जा सकता है। हालांकि पहले की अपेक्षा इस मर्तबा रंगों के साथ ही मुखोटा, बाल और पिचकारियों पर १० प्रतिशत महंगाई बढ़ने की बात कहीं जा रही है।

बच्चों की चालू है परीक्षा

हमारा क्षेत्र कृषि आधारित है जहां पर वर्तमान में रबी की फसल लोगों के द्वारा लगाई गई है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक व्यवस्था तंग है। तो वहीं वर्तमान में कक्षा १० वीं और १२ वीं बोर्ड परीक्षा चालू है। जिसमें क्षेत्र के छात्र छात्राओं के द्वारा वार्षिक परीक्षा दी जा रही है। ऐसे में लोग बाजार में बहुत कम उतर रहे हैं जिससे लग रहा है कि व्यापार होलीका दहन के दिन उठेगा। जहां नगर में लोग अभी खरीदारी करने आ रहे हैं तो केवल जरूरत के समान खरीदी कर लौट रहे हैं।

व्यापार में हल्की महंगाई बड़ी हैं- अमित आहूजा

व्यापारी अमित आहूजा ने बताया कि अभी चलन में पंप बंदूक गुब्बारे और मास्क है इसमें सर्वाधिक बच्चों के आइटम है जो सबसे ज्यादा बिकते हैं। इसमें आकर्षक मास्क पिचकारी है बाजार में रौनक नहीं है क्योंकि अब त्यौहारो का बाजार दो दिवस का हो गया है। उस हिसाब से बाजार होलिका दहन पर उठेगा उस दिन मंगलवार भी हैं। बाजार में महंगाई हल्की बड़ी है पहले जो १० रूपये का था वह अब १२ रूपये का हैं हर वस्तु की कीमत पहले से १० प्रतिशत बढ़ गई है। इस मर्तबा रंग नागपुर, जबलपुर और इंदौर से आ रहा है महंगाई के कारण ज्यादा दूर हम नहीं जा रहे हैं अभी तो पूरी दुकान खाली है थोड़ा बहुत सामान का विक्रय हो रहा है।

युवा कवयित्री माही शुक्ला युवनाद सम्मान २०२६ से हुई सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। खैरलांजी तहसील के ग्राम पिंडकेपर की युवा कवयित्री माही ऋषि शुक्ला को उनकी साहित्यिक साधना और प्रेरणादायी लेखनी के लिए प्रतिष्ठित युवनाद सम्मान २०२६ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मृति समारोह के अंतर्गत बुंदेली कला मंच, ओरछा धाम जिला निवाड़ी म.प्र.में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समारोह में साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण के बीच विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। जिसमें युवा कवयित्री माही ऋ षि शुक्ला विशेष आकर्षण का केंद्र रही। माही की रचनाओं में नारी सम्मान, सामाजिक चेतना, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रमुख रूप से दिखाई देती है। उनकी कविताएँ युवाओं को अपने भीतर छिपी शक्ति पहचानने और जीवन में सार्थक दिशा चुनने के लिए प्रेरित करती हैं। सरल भाषा और गहन भावों के कारण उनकी लेखनी पाठकों के हृदय तक सहज पहुँचती है। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों ने कहा कि युवा रचनाकार समाज में विचार परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित कर साहित्य को एक नई दिशा तक पहुंचने में संकल्पित हैं। युवनाद सम्मान माही ऋषि शुक्ला की रचनात्मक उपलब्धियों की स्वीकृति के साथ साथ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का संदेश भी है। माही ऋषि शुक्ला की सफलता यह साबित करती है कि सपनों की उड़ान के लिए बड़े शहर नहीं बल्कि बड़ा संकल्प आवश्यक होता है।

भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर धर्म की जीत के लिये शीश दान किया था -प्रदीप जायसवाल

भजनो की प्रस्तुति में गायको ने भक्तो को किया भावविभोर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्रीराम मंदिर प्रांगण में श्री खाटू श्याम महोत्सव परपंरा अनुसार इस साल भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। भव्य कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने भी एक भक्त के रूप में शामिल होकर दिव्य जोत में आहुती प्रदान कर धर्मलाभ लिया। शीश के दानी, तीन बाण धारी, खाटू नरेश के दर्शन के लिये अन्य नगरो से भी भक्तगण अधिक संख्या में वारासिवनी पहुंचे। दिव्य ज्योति,फूलों का श्रृंगार, छप्पन भोग के साथ श्री श्याम प्रसादी पाकर धर्म लाभ लेते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर धर्म की जीत के लिये उन्होंने अपना शीश दान किया था। करने वाले श्याम, कराने वाले श्याम टीम की ओर से श्याम शर्मा ने बताया की फफागुन की एकादशी एवं बारस को हम श्याम दिवाने सन १९८१ से बाबा श्याम की सेवा करते हुये आराधना कर रहे है। इस साल भी प्रात: समय भव्य श्री श्याम निशान यात्रा निकाली गयी थी। जिसमें सैकडो भक्तो ने शामिल होकर बाबा के दरबार में हाजिरी लगायी थी। इसी तरह श्रीश्याम कीर्तन में भी प्रसिद्ध भजन गायको में श्रीमती स्वेता श्याम शर्मा, सोहन कुमार गोंदिया, अफ रोज अली लालबर्रा, रितेश चौहान रामपायली, प्रकाश सागर सिकंद्रा, सूर्या वर्मा पूणे ने देर रात्रि तक समधुर भजनों की प्रस्तुति से पूरे वातावरण को श्याममय भी बना दिया।

वेदिका मिश्रा ने वर्धा में आयोजित विकसित भारत युवा संसद २०२६ में प्रथम स्थान प्राप्त किया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी निवासी वेदिका मिश्रा ने वर्धा महाराष्ट्र में आयोजित विकसित भारत युवा संसद २०२६ की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय आपातकाल के ५० वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक था। वेदिका ने अपने ओजस्वी, तथ्यपर और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण भाषण में आपातकाल के ऐतिहासिक संदर्भ, लोकतांत्रिक मूल्यों पर उसके प्रभाव तथा वर्तमान पीढ़ी के लिए उससे मिलने वाले सबकों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वेदिका मिश्रा वर्तमान में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हैं । वे वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय की छात्र प्रतिनिधि भी हैं तथा सत्र २०२५-२६ में उन्होंने अपने विश्वविद्यालय की एबीवीपी इकाई की इकाई मंत्री के दायित्व का निर्वाहन किया। वेदिका पूर्व में भी अनेक भाषण, वाद विवाद एवं काव्य प्रतियोगिताओं की विजेता रह चुकी हैं। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब वें राज्य स्तर पर आयोजित यूथ पार्लियामेंट में भाग लेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर वारासिवनी सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं तस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे तस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

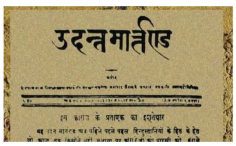

वैश्विक मंचों पर बार-बार विफल होने के बावजूद पाकिस्तान की जिद दर्शाती है कि वह यथार्थ से अधिक भ्रम की राजनीति में ही विश्वास करता है।

पाकिस्तान की तिलमिलाहट

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के इकसठवें नियमित सत्र के दौरान जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने उचित ही उसे जमकर लताड़ लगाई है, हालांकि इससे उसके रवैये में सुधार की उम्मीद रखना बेमानी ही होगा। दरअसल, वैश्विक मंचों पर बार-बार विफल होने के बावजूद पाकिस्तान की जिद दर्शाती है कि वह यथार्थ से अधिक भ्रम की राजनीति में ही विश्वास करता है। कश्मीर पर उसकी बयानबाजी भी अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक घिसी-पिटी कहानी बन चुकी है, जिसका तथ्यात्मक आधार कमजोर और राजनीतिक उद्देश्य स्पष्ट है। जबकि सच तो यह है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से कश्मीर में बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। हालिया चुनावों में रिकॉर्ड मतदान जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक भागीदारी और स्थिरता का ही प्रमाण है। सम्मेलन में भारतीय राजनयिक की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है कि जम्मू-कश्मीर का विकास-बजट पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मांगे गए बेलआउट पैकेज के दोगुने से भी अधिक है। अलबत्ता, यह तथ्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली और जम्मू-कश्मीर की प्रगति के बीच स्पष्ट विरोधाभास को उजागर करता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस देश की अपनी सीमाएं अस्थिरता से जूझ रही हों, वह दूसरों पर आरोप लगा रहा है। अफगानिस्तान पर हो रहे पाकिस्तानी हमले यह दर्शाने के लिए काफी हैं कि इस्लामाबाद अपने ही पड़ोस में शांति स्थापित करने में विफल रहा है। पाकिस्तान की मनोदशा इससे ही समझी जा सकती है कि जब भारत ने इस हमले के लिए उसकी निंदा की, तब इस्लामाबाद बगैर किसी साक्ष्य के भारत पर ही पाकिस्तान-विरोधी गतिविधियों के समर्थन का आरोप लगाने लगा। मानवाधिकारों के मोर्चे पर भी देखें, तो पाकिस्तान के अपने रिकॉर्ड पर गंभीर प्रश्नचिह्न दिखते हैं। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में जबरन गुमशुदगियों, अल्पसंख्यकों पर हमलों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बढ़ती महंगाई के खिलाफ भी लोग सड़कों पर आए दिन उतरते रहते हैं। ऐसे में, भारत पर आरोप लगाना पाकिस्तान की तिलमिलाहट को ही अधिक दर्शाता है, जिस पर भारत का यह कहना बिल्कुल वाजिब है कि पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह वैश्विक मंचों पर दिखावा करना छोड़, अपने अंदरूनी संकटों पर ध्यान दे।

आखिर इस मर्ज की दवा क्या है

-विराग गुप्ता (सुप्रीम कोर्ट के वकील)

सोशल मीडिया में व्यंग्य बन रहे हैं कि किताब पर रोक लगाने के बाद अब न्यायपालिका से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है। न्यायिक प्रशासन की स्वतत्रंता और जजों का सम्मान बढ़ाने के लिए भ्रष्टाचार पर आंख मूंदने के बजाय इस पर स्वस्थ बहस और ठोस कार्रवाई की जरूरत है।

घूसखोर पंडत फिल्म का नाम बदलने के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुयान ने लिखा है कि किसी भी समुदाय का अपमानजनक चित्रण गलत है। इसलिए न्यायपालिका के एकतरफा गलत चित्रण के मामले में एनसीईआरटी की किताब पर प्रतिबंध को सही ठहराया जा सकता है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए यदि कोई आपराधिक साजिश हुई है, तो उसका भी जल्द से जल्द खुलासा होना चाहिए।

सामान्य तौर पर इस किताब को कुछ हजार छात्र ही पढ़ते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, सभी राज्यों को नोटिस, प्रधानाचार्यों की जवाबदेही और मीडिया में सुर्खियों की वजह से पूरे देश में इस मुद्दे पर बहस होने लगी है। अति प्रतिक्रियाशील होकर न्यायिक आदेश देने के बजाय यदि प्रशासनिक तरीके से किताब की गलतियों को ठीक कर दिया जाता, तो जजों और न्यायिक व्यवस्था को इस विवाद से हो रहे नुकसान से बचाया जा सकता था।

वर्ष 2020 में जारी नई शिक्षा नीति के अनुसार एनसीईआरटी की किताबों में बड़े बदलाव हुए हैं। उसके अनुसार, कक्षा सात और आठ की किताब में सरकार और जन-प्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार से जुड़े अध्याय पहले से शामिल थे। न्यायपालिका से जुड़े नए अध्याय में लंबित मुकदमों का बोझ, जजों की नियुक्ति प्रणाली के साथ पूर्व चीफ जस्टिस गवई के बयानों के अनुसार, भ्रष्टाचार से जुड़ी विषयवस्तु शामिल की गई थी। कुछ अन्य न्यायिक घटनाओं के जरिये विवादित किताब से जुड़े विषय को सही ढंग से समझा जा सकता है।

पिछले साल होली के समय दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के बंगले में नोटों के बंडल जलने का सनसनीखेज मामला आया था। तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत अनेक लोगों ने वर्मा के खिलाफ पुलिस या सीबीआई में एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। उन्हें ट्रांसफर करके मामले को जांच समिति के हवाले कर दिया गया, जिसके अध्यक्ष बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अब रिटायर भी हो रहे हैं। कंडक्टर के 10 रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में सख्त रवैया अपनाने वाली न्यायपालिका ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ऐसे अनेक मामलों से सोशल मीडिया में जजों के खिलाफ असंतोष और गुस्सा बढ़ रहा है। मर्ज को ठीक करने के बजाय इलाहाबाद हाईकोर्ट में दो जजों की पीठ ने सोशल मीडिया में बढ़ रही अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला शुरू करने की चेतावनी दी है।

सरकार और नेताओं की तरह न्यायपालिका में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को पिछले कई दशकों से स्वीकारा जा रहा है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक तौर पर 16 सूत्री

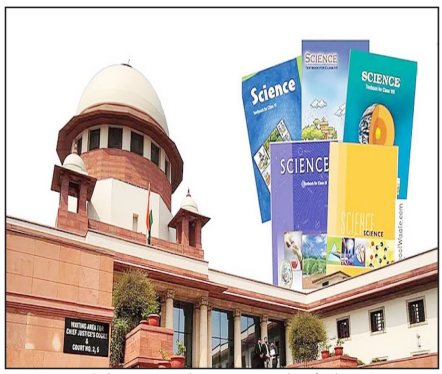

प्रस्तावों से न्यायपालिका में निष्पक्षता, पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति वचनबद्धता को दोहराया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस भरूचा ने वर्ष 2002 में सार्वजनिक तौर पर कहा था कि 80 फीसदी जज ईमानदार हैं, लेकिन बकाया भ्रष्ट जजों की वजह से न्यायिक व्यवस्था बदनाम हो रही है। वर्ष 2010 में सुप्रीम कोर्ट के जज काटजू और ज्ञानसुधा मिश्रा की पीठ ने न्यायपालिका में भाई-भतीजावाद और बढ़ते भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए लिखित न्यायिक आदेश पारित किया था। पूर्व कानून मंत्री शांतिभूषण ने हलफनामे में अनेक जजों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, लेकिन उन्हें अवमानना के तहत दंडित नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के अधिकांश जज रिटायरमेंट के बाद भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद के खिलाफ बोलते हैं। स्कूली किताब पर विवाद के दौरान ही अन्य मामले में वर्तमान चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने ट्रिब्यूनल्स की कार्यप्रणाली पर कठोर टिप्पणी करते हुए उन्हें बोझ और झंझट बताया है। सनद रहे कि अधिकांश ट्रिब्यूनल में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज मुखिया और न्यायिक सदस्य नियुक्त होते हैं। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री के प्रशासनिक मुखिया चीफ जस्टिस हैं। मुकदमों की लिस्टिंग में अनियमितता पर नाराजगी जताते हुए चीफ जस्टिस ने कहा है कि रजिस्ट्री के कामकाज में त्वरित और बड़े सुधारों की जरूरत है।

कॉलेजियम सिस्टम में सुधार के लिए मोदी सरकार ने पहले कार्यकाल में एनजेएसी का कानून बनाया था। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने उसे निरस्त कर दिया था। उस मामले में जज कुरियन जोसेफ ने फैसले में लिखा था कि कॉलेजियम प्रणाली से जजों की मनमानी नियुक्ति से न्यायिक व्यवस्था में बढ़ रही सड़ांध को रोकने के लिए पेरिस्त्रोइका (पुनर्निर्माण) और ग्लासनोस्त (खुलेपन) की जरूरत है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में हजारों जजों की नियुक्ति हो गई, लेकिन उस सड़ांध को दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट या संसद ने ठोस कदम नहीं उठाया।

संविधान लागू होने के 75 साल बाद भी अब तक किसी भी जज को महाभियोग के तहत हटाया नहीं गया है। संसद में दिए गए सरकारी जवाब के अनुसार, जजों के खिलाफ आठ हजार से ज्यादा शिकायतें आई हैं। संविधान के अनुसार, जल्द न्याय लोगों का मौलिक अधिकार है। जजों से अन्य वर्गों की अपेक्षा ज्यादा ईमानदारी की अपेक्षा रहती है, इसलिए उन्हें महामहिम के सम्मान के साथ अनेक सांविधानिक संरक्षण मिले हैं। इसके बावजूद जजों के खिलाफ शिकायतों के निवारण और कार्रवाई के लिए पारदर्शी और ठोस प्रणाली नहीं है।

अन्ना आंदोलन के बाद लोकपाल को भ्रष्टाचार के विरुद्ध वरदान बताया गया था, लेकिन वह अपने मकसद में पूरी तरह से विफल हो गया। संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए न्यायिक व्यवस्था को ज्यादा पारदर्शी, निष्पक्ष और ईमानदार बनाने की जरूरत है। सोशल मीडिया में व्यंग्य बन रहे हैं कि किताब पर रोक लगाने के बाद अब न्यायपालिका से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है। न्यायिक प्रशासन की स्वतंत्रता और जजों का सम्मान बढ़ाने के लिए भ्रष्टाचार पर आंख मूंदने के बजाय इस पर स्वस्थ बहस और ठोस कार्रवाई की जरूरत है।

अनेक जज नाबालिग बच्चों की यौन शिक्षा और सहमति से संबंधों के पक्षधर हैं। इसलिए अफसरों और नेताओं के साथ जजों के भ्रष्टाचार के बारे में भी बच्चों को स्वस्थ तरीके से जागरूक करने पर विवाद करना ठीक नहीं है। इंटरनेट और डार्क वेब की दुनिया में किताबों के अध्ययन से जागरूक बच्चे जिम्मेदार नागरिक बनकर सुशासन से गणतंत्र को मजबूत करने के साथ विकसित भारत का सपना साकार कर सकते हैं।

जीवन यात्रा

मुझे एक जगह आराम नहीं... रुक जाना मेरा काम नहीं

तकनीक हमारी आंखें और हाथ हैं, जिनसे हम अरबों मील दूर तक देख और मंगल की मिट्टी को छू सकते हैं। विज्ञान व तकनीक अंधेरे में एक मोमबत्ती की तरह है, जिसे जलाने के लिए नैतिकता व सही सोच की जरूरत होती है।

-कार्ल सेगन

तकनीक अंधेरे में मोमबत्ती की तरह है

तकनीक केवल निर्जीव मशीनों, तारों या सर्किट का समूह नहीं है, बल्कि यह हमारी जैविक दुर्बलताओं और सितारों तक पहुंचने की अनंत इच्छाओं के बीच एक मजबूत पुल का निर्माण करती है। इस पुल पर चलकर ही हम न केवल अंतरिक्ष की दूरियों को मापते हैं, बल्कि अपने भीतर छिपी संभावनाओं को भी तलाशते हैं।

कई लोग खगोल विज्ञान को केवल ग्रहों की गणना करने तक ही सीमित मानते हैं, पर मेरा मानना है कि यह इन्सान को विनम्र बनाने और उसके चरित्र को निखारने का एक

सशक्त माध्यम भी है। जब हम ब्रह्मांड की विशालता को देखते हैं, तो हमारा संकुचित दृष्टिकोण स्वत: ही विस्तृत होने लगता है। जैसे किसी अंधेरे कमरे में सूरज की एक छोटी-सी किरण प्रवेश करती है, तब उसमें धूल के छोटे-छोटे कण चमकते हुए दिखाई देते हैं। ठीक उसी तरह, असीमित अंतरिक्ष के गहरे कालेपन के बीच से देखने पर हमारी विशाल लगने वाली पृथ्वी भी सिर्फ एक नन्हा सा चमकता हुआ

सितारा या धूल का एक छोटा-सा कण मात्र प्रतीत होती है। हमारी दुनिया की यह धुंधली व सूक्ष्म तस्वीर दरअसल मानवीय अहंकार का सबसे बड़ा और जीवित सबूत है। यह दृश्य हमें उस गहरी सच्चाई से रूबरू कराता है कि यही छोटा-सा ग्रह हमारा एकमात्र घर है और इस ब्रह्मांड में हमारे पास भागकर जाने के लिए कोई दूसरी जगह उपलब्ध नहीं है। अत:, हमारी सबसे पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी इसकी रक्षा करना ही है।

हमारा अस्तित्व इस बात पर टिका है कि हम अपनी तकनीकी शक्ति का इस्तेमाल नफरत के लिए करते हैं या मानवता के कल्याण के लिए। अंतरिक्ष यान और प्रोब हमारी इंद्रियों का ही विस्तार हैं। वे हमारी आंखें हैं, जो अरबों मील दूर देख सकती हैं और हमारे हाथ हैं, जो मंगल की मिट्टी को छू सकते हैं। वास्तव में, विज्ञान व तकनीक तो %अंधेरे में एक मोमबत्ती की तरह है, जिसे जलाने के लिए नैतिकता और सही सोच की जरूरत होती है। यदि कोई समाज तकनीक का उपभोग तो करता है, पर उसके पीछे के वैज्ञानिक तर्क व करणा के आधार को नहीं समझता, तो वह अनजाने में ही विनाश की ओर बढ़ रहा है।

मुद्दा

लैंग्वेज मॉडल्स की अपने उपयोगकर्ताओं को खुश करने की फितरत स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में खतरनाक साबित हो सकती है।

कहीं आपका डॉक्टर चैटजीपीटी तो नहीं

एक फिजिशियन होने के नाते, मैं इस हकीकत से चखूबी वाकिफ हूं कि मेरे मरीज मेडिकल सलाह के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं। नतीजतन, कई बार मरीज मेरे पास ऐसे परीक्षणों और संभावित बीमारियों की लंबी फेहरिस्त लेकर आते हैं, जिन्हें देखकर मैं चौंक जाता हूं। हालांकि, कई मरीज मासूमियत के साथ कबूल लेते हैं कि मुझसे मिलने से पहले उन्होंने डॉ. चैटजीपीटी से मशविरा किया है। आंकड़े भी बताते हैं कि बड़ी संख्या में मरीज अपनी सेहत से जुड़े सवालों के लिए इन लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) पर भरोसा कर रहे हैं।

एक एआई शोधकर्ता होने के नाते मेरा यह मानना है कि सही ढंग से इस्तेमाल किए जाने पर ये मॉडल्स मरीजों को सशक्त बनाने वाले क्रांतिकारी हथियार साबित हो सकते हैं। पर, यह तकनीक है। मरीज और डॉक्टर के भरोसेमंद रिश्ते में दरार भी डाल सकती है, या फिर लोगों को मानसिक तनाव व चिंता की गहरी खाई में धकेल सकती है। ऐसे में, मरीजों के लिए एआई का सबसे अच्छा उपयोग यह है कि वे इसके जरिये डॉक्टर से अपनी मुलाकात को अधिक प्रभावी बना सकते मरीजों की पहुंच उनकी मेडिकल रिपोर्ट तक तो होती है, पर अधिकांश लोग उन्हें कभी खोलकर भी नहीं देखते। जो देखते भी हैं, उनके लिए भारी-भरकम चिकित्सकीय शब्दावली को समझाना या काम की बात निकालना मुश्किल होता है। इससे भी बुरा तब होता है, जब किसी पुरानी गलत रिपोर्ट या खारिज की जा चुकी बीमारी की जानकारी इन नोट्स में मौजूद रहती है, जिसे डॉक्टर अपनी भाषा में चार्ट लोर कहते हैं। ऐसे मामलों में एआई मददगार हो सकता है। बेशक, एआई उपकरण विशेषज्ञ स्तर की

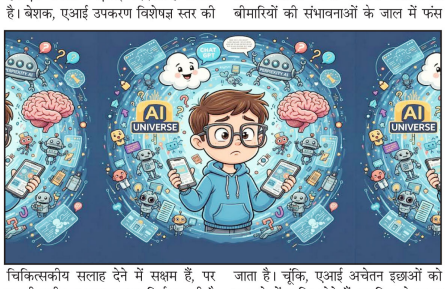

चिकित्सकीय सलाह देने में सक्षम हैं, पर उनकी सटीकता इस बात पर निर्भर करती है कि उनके पास मरीज की सेहत की पूरी तस्वीर है या नहीं। अपने लक्षणों को सबसे प्रभावी ढंग से समझाने के लिए, आप चैटबॉट से कह सकते हैं कि मेरा इंटरव्यू बिल्कुल एक डॉक्टर की तरह लो। सवाल-जवाब का यह सिलसिला न केवल आपकी परेशानी की स्पष्ट रूप से बयां करने में मदद करेगा, बल्कि मन में डर पैदा करने वाली स्थितियों को भी खत्म करेगा।

लैंग्वेज मॉडल्स की फितरत अपने उपयोगकर्ताओं को खुश करने की होती है, जो स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसे सइबरकोंड्रिया कहते हैं, जिसमें इंटरनेट पर सामान्य या हल्के लक्षणों की जानकारी खोजते-खोजते व्यक्ति डरावनी और गंभीर बीमारियों की संभावनाओं के जाल में फंस जाता है। चूंकि, एआई अचेतन इछाओं को पकड़ने में माहिर होते हैं, इसलिए ये समझ जाते हैं कि कौन-सी जानकारी आपको सबसे यादा प्रभावित कर रही है। वे इसे आपकी पसंद मान लेते हैं और वैसी ही बातें परोसने लगते हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एल्गोरिदम आपको इमस्कॉलिंग (नकारात्मक खबरें पढ़ते रहना) के लिए उकसाते हैं। इससे बचने के लिए एआई से सवाल पूछते समय अपना मकसद साफ तौर पर बताना चाहिए। हालांकि, अगर एआई से बारबीत आपकी घबराहट या बेचैनी बढ़ा रही है, तो समझ लीजिए कि एआई अपनी चापलूसी वाली फितरत दिखा रहा है। ऐसे में, बिना देर किए सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

इसमें कोई शक नहीं कि एआई मॉडल्स भविष्य में यह एक एआई-समर्थित सोशल मीडिया मैनेजमेंट टूल है, जिसकी मदद से व्यक्ति, व्यवसाय और कंटेंट क्रिएटर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को आसानी से संभाल सकते हैं। इस दल के जरिये उपयोगकर्ता फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), लिंक्डइन और पिंटरेस्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर पोस्ट पहले से तैयार करके निर्धारित समय पर अपने-आप प्रकाशित कर सकते हैं, जिससे समय की बचत होती है और नियमितता बनी रहती है। इसका एनालिटिक्स फीचर बताता है कि आपकी पोस्ट पर कितने लाइक्स, कमेंट और शेयर मिले, किस समय पोस्ट करने पर यादा एंगेजमेंट मिलता है और कौन-सा कंटेंट दर्शकों को अधिक पसंद आता है।

बेहतर होंगे, पर मैं यही सलाह देता हूं कि अपनी संवेदनशील मेडिकल जानकारी बिना काट-छांट के किसी मशीन को सौंपने से पहले निजता के खतरों पर भी गंभीरता से विचार जरूर करें। एआई द्वारा दी गई राय आपके और डॉक्टर के बीच संवाद की शुरुआत होनी चाहिए, न कि इलाज का अंतिम फैसला। एआई बीमारी की पहचान में तो मददगार हो सकता है, पर इलाज की योजना के लिए इस पर भरोसा करना खतरनाक है।

एडम रॉडमैन (द न्यूयॉर्क टाइम्स)

अंतरराष्ट्रीय

सिर्फ टैरिफ चुनौती नहीं

वैश्विक व्यापार के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बेशक टैरिफ को माना जा रहा है, पर चीन का बढ़ता व्यापार अधिशेष भी एक बड़ा संकट है, जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं है।

हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन का व्यापार अधिशेष 2025 में बढ़कर चौंकाने वाले 11.9 खरब डॉलर तक क्षमता को दिखाता है, तो दूसरी ओर उसकी अर्थव्यवस्था की कमजोरियों और उन तौर-तरीकों की ओर भी इशारा करता है, जो मुक्त व्यापार के लिए डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से भी बड़ा खतरा बनते दिख रहे हैं। अमेरिका के वैश्विक नेतृत्व की भूमिका से पीछे हटने के बीच, चीन ने खुद को वैश्वीकरण का समर्थक और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था का रक्षक बताने की कोशिश की और संयोग से, उस व्यवस्था का निर्माण करने में अमेरिका की भी अहम भूमिका रही है। चीन का आर्थिक मॉडल विकास तो लाया है, पर संतुलन के बिना। हाल के वर्षों में इमारतों, मशीनरी और उपकरणों में निवेश उसकी वृद्धि का मुख्य इंजन बना। इस भारी निवेश का नतीजा बड़े पैमाने पर उत्पादन के रूप में सामने तो आया, लेकिन घरेलू खपत उत्पादन की रफ्तार के साथ नहीं बढ़ पाई है। इसी वजह से चीनी परिवार खुलकर खर्च करने के बजाय बचत करना पसंद कर रहे हैं। सरकार की आर्थिक प्रबंधन क्षमता को लेकर चिंताओं ने भी घरेलू भरोसे को चोट पहुंचाई है, जिससे मांग और दब गई। जब कोई अर्थव्यवस्था जितना उपभोग करती है उससे कहीं अधिक उत्पादन करती है, तो संतुलन बिगड़ता है। एक रास्ता यह होता है कि कीमतें गिरें, ताकि उपभोक्ता ज्यादा सामान खरीदें। पर अगर परिवारों को लगातार कीमतें गिरने की आशंका हो, तो वे खरीद बढ़ाने के बजाय उसे टाल देते हैं। चीन इस समय ऐसे ही मंदी-दबाव (डिफ्लेशन) का सामना कर रहा है। ऐसे में, अब एक ही रास्ता बचता है-अतिरिक्त उत्पादन को विदेशों में खपाना। चीन ठीक यही कर रहा है। उसके निर्यात तेजी से बढ़े हैं। हालांकि, ट्रंप द्वारा चीनी वस्तुओं पर लगाए गए ऊंचे शुल्कों के कारण अमेरिका को होने वाला चीन का निर्यात तेजी से घटा है। नतीजतन, चीन अपने अन्य व्यापारिक साझेदारों को निर्यात बढ़ा रहा है। चीनी निर्यात उन देश के निर्माताओं पर भारी पड़ रहा है, जो प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ हैं। जिन देशों पर इसका दबाव पड़ रहा है, वे अब प्रतिरोध कर रहे हैं। चीन की अर्थव्यवस्था का अपनी विकास दर को बनाए रखने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर होना, नियमों पर आधारित वैश्विक व्यवस्था के बिखराव को और तेज करेगा। इसमें यदि ट्रंप के टैरिफ भी जोड़ दिए जाएं, तो चीनी निर्यात का यह दबाव जो कुछ बचा है, उसे भी नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह कतई नहीं कि वैश्विक व्यापार पूरी तरह समाप्त हो जाएगा, लेकिन व्यापार अब ऐसे ढंग से बंटता जा रहा है, जिससे कुल लाभ कम हो रहा है। इस तरह के विभाजन का सबसे ज्यादा नुकसान उन गरीब अर्थव्यवस्थाओं को होगा, जो वैश्विक व्यापार में अपनी जगह बना रही हैं। तो चीन क्या कर सकता है? वह अपने सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने जैसे सुधार कर सकता है, ताकि उसके नागरिक ज्यादा खर्च करने के लिए प्रोत्साहित हों। चीन का केंद्रीय बैंक अपनी मुद्रा को मजबूत होने की अनुमति दे सकता है, जिसका वह हाल तक विरोध करता रहा है। इससे चीनी निर्यात महंगे और आयात सस्ते हो जाएंगे और व्यापार अधिशेष घटाने में मदद मिलेगी। यदि मुद्रा का मूल्य केंद्रीय बैंक के बजाय बाजार की ताकतें तय करें, तो वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में उसकी अहमियत भी बढ़ेगी-एक ऐसा लक्ष्य, जिसे बीजिंग लंबे समय से हासिल करना चाहता रहा है। दीर्घकाल में जो कदम सबसे बेहतर होंगे, उन्हें उठाकर चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था की भी मदद कर सकता है। पर यदि ऐसा नहीं हुआ, तो चीन वैश्विक विकास को तो नुकसान पहुंचाएगा ही, नई विश्व व्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका का कोई भी दावा खो सकता है।

-द न्यूयॉर्क टाइम्स

सोयाबीन और मूंगफली तेल के दाम सुधरे, पाम तेल में गिरावट जारी

नई दिल्ली। एजेंसी। सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने से भाव दबाव में है। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्पादन इस साल बढ़ेगा। सरकार से आग्रह किया गया है कि सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को किया जाए। इससे सरसों का भाव टूटने और कारोबारियों की मनमानी रोकने में मदद मिलेगी। सरकार को 20-25 लाख टन स्टॉक बनाने पर विचार करना चाहिए। सोयाबीन तेल-तिलहन और मूंगफली तेल-तिलहन में कम आवक और अच्छी मांग के कारण दाम में सुधार हुआ। बिनौला तेल के दाम भी सप्ताहांत में सुधरे। वहीं मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट और पाम-पाल्मोलिन तेल की कम कीमत बनी रही। सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाकर कच्चा पामतेल 26 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन 124 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन डीगम 15 रुपये प्र ?ति क्विंटल। यह घरेलू तेल बाजार को स्थिर करने का प्रयास है। ईरान पर हमले की खबर के बाद आपूर्ति चिंताओं के कारण भी सोयाबीन तेल-तिलहन में तेजी को मदद मिली। उन्होंने कहा कि उपलब्धता में कमी की तथा अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली दाने और खाद्य तेल की मांग होने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार देखा गया। सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह मलेशिया एक्सचेंज में अधिकतम गिरावट का रुख रहने के बीच पाम-पामोलीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई। वैसे ईरान पर हुए हमले के बाद आपूर्ति की स्थिति तथा इस तेल के दाम के बारे में अंदाजा सोमवार के कामकाज से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कम आवक और मांग होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। मंडियों में कपास नरमा का दाम एमएसपी से 10-12 प्रतिशत नीचे है इस वजह से इसकी आवक प्रभावित है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,430 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमश- 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन 50 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,475 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये के सुधार के साथ 2,690-2,990 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

फिनो पेमेंट्स बैंक के सीईओ की गिरफ्तारी पर उठे सवाल, वित्त मंत्री ने दिया जवाब

नई दिल्ली। एजेंसी। फिनो पेमेंट्स बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ऋषि गुप्ता को सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) और स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (एसजीएसटी) एक्ट के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह गिरफ्तारी एक बिजनेस पार्टनर से जुड़े जीएसटी जांच मामले में हुई है। बैंक ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि इस मामले का फिनो पेमेंट्स बैंक या उसके सीईओ से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर केतन मर्चेंट को संगठन का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। इस कार्रवाई को लेकर इंफोसिस के पूर्व सीएफओ टीवी मोहनदास पई ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि एक रेगुलेटेड बैंक के सीईओ को बिजनेस पार्टनर के कथित उल्लंघन के आधार पर कैसे गिरफ्तार किया जा सकता है। पई ने यह भी कहा कि यदि जीएसटी कानून के तहत अधिकारियों को व्यापक शक्तियां दी गई हैं, तो उनके दुरुपयोग से बचाव के लिए क्या सुरक्षा उपाय हैं। उन्होंने वित्त मंत्री से हस्तक्षेप की अपील की। सोशल मीडिया पर उठे सवालों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। हम इसकी जांच करेंगे। अब यह मामला जांच के दायरे में है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि गिरफ्तारी किन तथ्यों के आधार पर की गई और क्या इसमें सीईओ की कोई प्रत्यक्ष भूमिका पाई जाती है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगा, 28 रुपए बढे दाम

नई दिल्ली।एजेंसी। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इस फैसले से रेस्टोरेंट, होटल और छोटे व्यवसायों की लागत बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। नई दरें देश के प्रमुख महानगरों में लागू हो गई हैं। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 1768.50 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 1740.50 रुपये थी। यानी उपभोक्ताओं को अब 28 रुपये अधिक चुकाने होंगे। वहीं कोलकाता में इसकी कीमत 1844.50 रुपये से बढ़कर 1875.50 रुपये हो गई है। मुंबई में नया रेट 1720.50 रुपये तय किया गया है, जो पहले 1692 रुपये था। इसी तरह चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर 1899.50 रुपये से बढ़कर 1929 रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में यह अब भी 853 रुपये में उपलब्ध है। कोलकाता में इसकी कीमत 879 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये और चेन्नई में 868.50 रुपये बनी हुई है।एलपीजी सिलेंडर की कीमतें इम्पोर्ट पैरिटी प्राइस पर आधारित होती हैं। इसमें अंतरराष्टीय बाजार में गैस की कीमत, डॉलर-रुपया विनिमय दर, फ्रेट, इंश्योरेंस और विभिन्न टैक्स शामिल होते हैं। राज्यों में टैक्स और लॉजिस्टिक्स लागत अलग-अलग होने के कारण शहरों में कीमतों में अंतर देखने को मिलता है।

पश्चिम एशिया में बने भू-राजनैतिक तनाव पर रहेगी निवेशकों की नजर

आर्थिक आंकड़े और उद्योग रिपोर्टें भी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी

मुंबई। एजेंसी। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली और आने वाले सप्ताह में निवेशकों की निगाहें पश्चिम एशिया में बने भू-राजनैतिक तनाव पर रहेंगी। 28 फरवरी की सुबह अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य कार्रवाई करते हुए ईरान पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और अमेरिका के कुछ ठिकानों सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों पर हमले किए। निवेशक इस बात पर ध्यान देंगे कि क्षेत्रीय परिस्थितियां कैसे बदलती हैं और इन हमलों का वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा भारतीय बाजारों पर क्या असर होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की भू-राजनैतिक घटनाओं के कारण निवेशक जोखिम-से-विमुख रुख अपना सकते हैं। तेल की कीमतों में तेजी आने की संभावना है, जिससे ऊर्जा

और पेट्रोलियम क्षेत्र के शेयर प्रभावित हो सकते हैं। वैश्विक बाजारों में दबाव बढ़ने की स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में भी नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। 27 फरवरी को जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देंगे। इसके अलावा फरवरी के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े, जनवरी का औद्योगिक उत्पादन और वाहन बिक्री के आंकड़े आने वाले सप्ताह में जारी होंगे। ये आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति, उपभोक्ता मांग और उत्पादन गतिविधियों को दर्शाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार पर सबसे बड़ा दबाव भू-राजनैतिक तनाव का रहेगा। आर्थिक आंकड़े और उद्योग रिपोर्टें भी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी, लेकिन उनका असर अधिकतर चयनित सेक्टरों तक सीमित रहेगा। निवेशक विशेष रूप से तेल, रक्षा, बैंकिंग और उपभोक्ता आधारित शेयरों पर नजर रखेंगे।

महंगे सोने ने बदली ज्वेलरी की प्राथमिकताएं, 18 कैरेट सोने की मांग बढ़ी

नई दिल्ली।एजेंसी। देश में सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे पारंपरिक 22 कैरेट सोने की मांग पर असर पड़ा है। ग्राहक अब केवल निवेश के रूप में सोना नहीं बल्कि पर्सनल स्टाइल और पहचान के लिए ज्वेलरी चुन रहे हैं। इस बदलाव के चलते 22 कैरेट के भारी गहनों की तुलना में 18 कैरेट सोने की मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार 18 कैरेट सोने की कीमत 22 कैरेट की तुलना में 15-20 प्रतिशत कम होने के कारण बजट पर दबाव कम करती है। सिर्फ सस्ता विकल्प न रहकर चांदी और स्टर्लिंग सिल्वर अब फैशन की पहचान बन गए हैं। युवा ग्राहक ट्रेंडी डिज़ाइन और हल्के गहनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बढ़ती कीमतों के बावजूद चांदी निवेशकों के लिए भी आकर्षक विकल्प बन रही है। पिछले एक साल में चांदी ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जिससे इसे सुरक्षित और लाभकारी निवेश के तौर पर देखा जाने लगा है। डायमंड ज्वेलरी की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। हालांकि फिलहाल यह शुरुआती चरण में है, लेकिन युवा वर्ग के बीच इसका स्टाइल और पहचान के लिए आकर्षण बढ़ रहा है। इसे रोजमर्रा में पहनने के लिए हल्के और मॉडर्न डिज़ाइन में अधिक मांग दिखाई दे रही है। महंगे सोने ने ग्राहकों की प्राथमिकताओं को बदल दिया है। अब बाजार में बजट-अनुकूल विकल्प, स्टाइलिश डिज़ाइन और निवेश क्षमता तीनों का संतुलन देखने को मिलता है। ग्राहक केवल सोने को निवेश नहीं बल्कि रोजमर्रा में पहनने योग्य, हल्का और फैशनेबल विकल्प भी मान रहे हैं।

एआई बदलाव लाएगा, रोजगार पूरी तरह खत्म नहीं होंगे

नई दिल्ली।एजेंसी। अमेजान के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होने की आशंका को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एआई पूरी तरह रोजगार समाप्त नहीं करेगा, बल्कि काम करने के तरीके में बदलाव लाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले 20-30 वर्षों में जिन कार्यों में ज्यादा मानव श्रम लगा, भविष्य में उनमें कम कर्मचारियों की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नौकरियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति की तरह, एआई भी कुछ कामों को बदलकर नई नौकरियां पैदा करेगा। पिछले 20-30 सालों में जिन कामों के लिए हमने बड़ी संख्या में लोगों को लगाया, भविष्य में उतने लोगों की जरूरत नहीं होगी। लेकिन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। मार्गन स्टैनली की एक हालिया रिपोर्ट में भी कहा गया है कि एआई का दीर्घकालिक प्रभाव उतना गंभीर नहीं हो सकता जितना लोग सोच रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुछ भूमिकाएं ऑटोमेट हो सकती हैं, लेकिन ज्यादातर कर्मचारी स्थायी रूप से बेरोजगार नहीं होंगे। वे नई तरह की नौकरियों में शिफ्ट होंगे, जिनमें से कई अभी अस्तित्व में भी नहीं हैं। रिपोर्ट में पिछले 150 वर्षों की तकनीकी क्रांतियों—जैसे बिजली, मशीनीकृत खेती, कंप्यूटर और इंटरनेट—का उदाहरण दिया गया है। इन बदलावों ने उद्योगों और काम करने के तरीकों में बदलाव लाया, लेकिन मानव श्रम को खत्म नहीं किया।

मेष- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आपको किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा, लेकिन आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर आप कहीं बाहर जा सकते हैं। आपका कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती लेकर आएगा। आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा और आप अपने विरोधियों को आप आसानी से मात देने के पूरे कोशिश में लगे रहेंगे। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे और आपके परिवार के सदस्यों से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। जीवन साथी को किसी नौकरी के लिए दूसरी नौकरी के लिए बुलावा आ सकता है, जिससे उन्हें कहीं बाहर जाना पड़ सकता हैं। आपकी कोई बात बनते-बनते बिगड़ सकती है, जिससे आपको टेंशन होगी।

कर्क- आज आपके खर्चों की अधिकता अधिक रहेगी, जिसके लिए आपको अपनी इन्कम को ध्यान में रखकर चलना बेहतर रहेगा। आप अपनी संतान को किसी मनचाहे कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के विभाग में आ रही बाधा भी बातचीत के जरिए दूर होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी, जो आपके बिजनेस में आपको फायदा करा सकते हैं। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं, जिससे आपके मन को काफी सुकून मिलेगा। जो लोग प्यार में पड़े हैं, उनके लिए आज दिन कुछ नई मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसको लेकर उन्हें समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। कोई प्रॉपर्टी खरीदने की आप योजना बना सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थी पढ़ाई लिखाई से संबंधित समस्याओं को लेकर अपने गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। आज आपके बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे, जिससे आपको काम करने में मजा भी कम आएगा, लेकिन आपको किसी वाहन की खरीदारी करना बेहतर रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा और भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, लेकिन आपको अपने अड़ियल रवैए पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है, जिससे परिवार के सदस्य और आपके बीच में कोई मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी जमीन जायदाद से जुड़े मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और किसी कानूनी मामले को लेकर आप किसी अच्छे वकील से सलाह लेंगे। आपके मन में प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। आप अपने कामों को धैर्य व साहस से निपटाने की कोशिश करें। यदि आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर वाद विवाद चल रहा है, तो उसमें आप चुप लगाने की कोशिश करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप यदि किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा, नहीं तो आपके बेवजह के लड़ाई झगड़ा पनप सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में मन मुताबिक काम ना मिलने से आप परेशान रहेंगे और आप किसी दूसरी नौकरी के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

मकर- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने पुराने लेन-देन से छुटकारा मिलेगा। संतान के किसी परीक्षा के परिणाम आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपने पिताजी से काम को लेकर बातचीत करनी होगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आप अपने से ज्यादा बाकी कामों पर ध्यान लगाएंगे, जिसे बाद में आपकी कुछ टेंशन भी बढ़ेगी। आप अपने लंबे समय से रुके हुए धन को पाकर काफी खुश होंगे। यदि आपने किसी से मांग कर वाहन चलाया, तो कोई दुर्घटना होने के कारण आपका कोई भारी नुकसान हो सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान दे सकता है। आपको अपने धन से जुड़ा कोई भी गुप्त राज किसी दूसरे को नहीं बताना है। किसी सरकारी काम को लेकर आप परेशान रहेंगे। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आप अपनी संतान के लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

शब्दजाल - 8186

शब्द जाल में ऐसे 10 अभिनेता ढूंढिए जो सर्वाधिक पारिश्रमिक लेते हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डो	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	क	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	म	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे	
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

अमिताभ बच्चन, रितीक रोशन, शाहरुख खान, रजनीकांत, आमिर खान, अक्षय कुमार, सलमान खान, सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर

शब्दजाल - 8185 का हल

[illegible]

सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.34 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.25 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.42 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.04 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.19 ब.से
राहुकाल		धनु	01.35 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	03.40 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.26 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 61 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 17.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 07.52 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 12.19 बजे को समाप्त।
करण गर 06.30 बजे, वणिज 17.56 बजे तदनन्तर विष्टि 05.29 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 12.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872636
जूलियन दिन 2461101.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 12
विशेष फाल्गुन चौमासी चौदस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7130

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
■	7		8	■	9			10	■
11		■	12	13		■	14		
	■	15			■	16	■		■
17			■	18	19		■	20	21
	■	22	23	■	24		25	■	
■	26			■		■	27		
28		■	■	29		■		■	■
■		■	30		■	31			

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7129

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	मीं	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	म	■	फू		ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	शा	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
श	■	ज	य	श	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: ध्यान का अर्थ

एक ऋषि जंगल में अपने शिष्यों के साथ रहते थे। उनके रहने के लिए झोपड़ियां बनी थीं। उन्हीं झोपड़ियों के बीच में झाड़-फूस का एक कक्ष भी था। पूरा माहौल देखकर लगता था मानो वह जगह कोई विद्यापीठ हो। राजा को जब ऋषि के इस विद्यापीठ के बारे में पता लगा तो उसके मन में उस स्थान को देखने की उत्सुकता जागी। एक दिन वह जंगल जा पहुंचा। ऋषि ने राजा का स्वागत किया और जैसी कि राजा की इच्छा थी उसे वहां घुमाना शुरू किया। वह राजा को एक-एक झोपड़ी के पास ले गए और बताने लगे कि उनके शिष्य कहां रहते हैं। कहां स्नान करते हैं, कहां खाना खाते हैं। लेकिन राजा की उत्सुकता तो उन झोपड़ियों के बीच अलग से दिखाई देने वाले कक्ष में थी। राजा ने ऋषि से कई बार पूछा कि वह इस कक्ष में क्या करते हैं, लेकिन ऋषि ने एक बार भी उसके बारे में कुछ नहीं कहा। आखिरकार राजा झुंझला गया। उसने जोर से कहा, 'आपने मुझे हर जगह घुमाया। हरेक स्थान के बारे में बताया पर इस कक्ष को न तो आपने दिखाया और न ही मेरे बार-बार पूछने पर भी यह बताया कि आप और आपके शिष्य इसमें क्या करते हैं?' ऋषि बोले, 'राजन हम इस कक्ष में कुछ नहीं करते हैं? हम यहां मात्र ध्यान में जाते हैं। ध्यान कुछ करना नहीं है। अगर मैं आपके पूछने पर यह उत्तर दूं कि हम यहां ध्यान करते हैं तो यह गलत होगा। क्योंकि ध्यान कोई क्रिया नहीं हैं। इसलिए जब भी आपने इस कक्ष के बारे में पूछा मुझे चुप रहना पड़ा। ध्यान तो वह स्थिति है जब ध्यानी कुछ भी नहीं करता। उसका शरीर भी शांत होता है और मन भी।' राजा ध्यान का अर्थ समझ गया।

सूडोकू नवताल- 7439

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -7438 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4	3	8	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5	6	9	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	8	3	4
3	4	5	6	9	8	2	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8654

1	2		3		■	4	5	
6					7			
		8		9			10	
11				12		13		
								14
	15					16		
17				18	19			
	20	21					22	
23				24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण (उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8653 का हल

[illegible]

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बोलेगांव में झोलाछाप डाक्टर के विरुद्ध कार्रवाई

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम बोलेगांव में एक झोलाछाप डाक्टर लखनादौन जिला सिवनी निवासी परमिंदर पिता रनवीर सिंह जो कि प्रत्येक रविवार लखनादौन से बोलेगांव आकर एक फर्जी क्लिनिक का संचालन करता था जहां 100 से 150 मरीजों की ओपीडी संख्या रहती थी। तथा बोलेगांव में कुंवर लाल बापुरे के निवास स्थल पर यह अवैध क्लिनिक संचालित हो रही थी जिसकी शिकायत अनुविभागीय अधिकारी लांजी राजस्व एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी लांजी को की गई। शिकायत के आधार पर 1 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे नायब तहसीलदार संजय बारस्कर के नेतृत्व में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे एवं उनका स्वास्थ्य अमला बोलेगांव स्थित उक्त अवैध क्लिनिक के जांच में पंहुची। जंहा अपने आपको डाक्टर बताने वाला परमिंदर सिंह पिता रनवीर सिंह निवासी लखनादौन जिला सिवनी के द्वारा क्लिनिक संचालन कर मरीजों का उपचार करते हुये पाया गया। दल के द्वारा प्रारंभिक पूछताछ में वह किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय डिग्री प्रस्तुत नहीं कर सका और न ही उपचार करने की शासकीय अनुमति का कोई दस्तावेज दिखा सका। निरीक्षण के दौरान उसके पास से एलोपैथिक, होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाएं तथा बीपी जांच मशीन बरामद की गई, जो बिना वैध प्राधिकरण के उपयोग में लाई जा रही थीं। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियां सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं।

क्लिनिक में पाई गई ये दवाईयां

जांच दल के द्वारा जब क्लिनिक की पूर्णतः जांच की गई तो अमले को यहां थायरॉयड केयर सिरप, नेब्रोजोम सिरप, कैंडिप्रैग-एम कैप्सूल, न्यूरोविज कैप्सूल, ईएसडीओ-डीएसआर कैप्सूल, ब्रेनो-फास्ट सिरप, ओमेप्रा-20 कैप्सूल, जेक्लोफेन एसपी टैबलेट तथा रैबिजो-डीएसआर गोल्ड सहित विभिन्न दवाएं पाई गई इन सभी दवाईयों को जांच दल के द्वारा जप्त किया गया।

दर्ज हो सकती है एफआईआर

उक्त कार्यवाही को लेकर खण्ड चिकित्सा अधिकारी डा अक्षय उपराड़े ने जानकारी में बताया कि बोलेगांव में अवैध रूप से एक क्लिनिक का संचालन हो रहा है जो कि बगैर अनुमति के बगैर किसी वैध डिग्री के संचालिक किया जा रहा है शिकायत के आधार पर हमारे द्वारा नायब तहसीलदार श्रीमान संजय बारस्कर के साथ स्वास्थ्य अमले को लेकर उक्त क्लिनिक पंहुचे जहां पाया गया कि लखनादौन से एक व्यक्ति परमिंदर सिंह प्रत्येक रविवार को बोलेगांव पंहुचकर मरीजो का उपचार कर रहा है जिसके पास चिकित्सा करने की कोई वैध डिग्री नही है और ना कि दवाखाना संचालन को लेकर कोई दस्तावेज जिस आधार पर क्लिनिक सीलबंद कार्यवाही कि जाकर संबधित पंचनामा तैयार कर अग्रिम कार्यवाही के लिये पुलिस थाना लांजी में दस्तावेज प्रस्तुत किये गये जिस संबध में प्राथमिकी दर्ज करवाई जायेगा। वहीं संजय बारस्कर नायब तहसीलदार ने कहा कि उक्त संबध में नियमानुसार जांच कर कडी से कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

क्षेत्र में चल रहे और भी क्लिनिको पर हो कार्यवाही

उक्त कार्यवाही के बाद क्षेत्र में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है लांजी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में झोलाछाप के द्वारा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन कर मरीजो के जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। धडल्ले से ऐलौपैक्ति दवाईयों का उपयोग किया जा रहा है, बडी बात यह है कि मेडिकल दुकानदार भी इन झोलाछाप को बिना किसी पूछताछ के बडी से बडी बिमारियों की दवाईयां उपलब्ध कराते है। इस संबध में भी जांच की जाकर कार्यवाही की जानी चाहिये।

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना क्षेत्र में दो साल पहले हुई एक बेहद संवेदनशील घटना में न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाया है। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) ने आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फ निकेश उमरे (22 वर्ष, निवासी ग्राम पालडोंगरी) को नाबालिग

बालिका के साथ दुष्कर्म और जबरन भगाने के मामले में दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर अर्थदंड भी लगाया गया है। घटना 16 मार्च 2024 की है, जब आरोपी ने 13 वर्षीय नाबालिग बालिका को उसके घर से जबरन भगाकर ले गया था। आरोपी यह जानते हुए भी कि बालिका नाबालिग है, उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता के माता-पिता ने तुरंत थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। लांजी पुलिस की टीम, जिसमें तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अंजुल अयंक मिश्रा, उपनिरीक्षक देवराज सिंह धुर्वे और महेश तुरकने शामिल थे, ने संवेदनशीलता और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार जांच की। पीड़िता के बयान, गवाहों के कथन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को संकलित कर समयबद्ध तरीके से चार्जशीट न्यायालय में पेश की गई। थाना प्रभारी लांजी ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में लोक अभियोजक के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखा और मामले की नियमित मॉनिटरिंग की। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्रीमती आरती कपले ने मजबूत पैरवी की। प्रस्तुत साक्ष्यों और पुलिस की सुदृढ़ विवेचना के आधार पर माननीय विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम की अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं तथा पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत दोषी करार दिया और 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर कहा है कि नाबालिगों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर पुलिस पूरी संवेदनशीलता, गंभीरता और कठोरता के साथ कार्य कर रही है। ऐसे मामलों में दोषियों को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।

हर्षोल्लास के साथ कोचेवाही में मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कोचेवाही में 28 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती तथा उनकी प्रतिमा स्थापना दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महाराज के जीवन से प्रेरणा ग्रहण की। कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन और भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। ग्राम विकास समिति कोचेवाही तथा कुनबी समाज के अध्यक्ष सम्पत राव भागडकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिवाजी महाराज को कोई तैयार सिंहासन विरासत में नहीं मिला था। उन्होंने अपने साहस, रणनीति और संघर्ष से एक नया राज्य स्थापित किया। दशकों की सैन्य विजयों के बाद 1674 में रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक छत्रपति के रूप में हुआ। उनके समकालीन अधिकांश राजा वंशानुगत थे और उन्होंने साम्राज्य निर्माण में कुछ विशेष नहीं किया। शिवाजी महाराज अलग थे क्योंकि उनके शासन में किसान और आम जनता ने महसूस किया कि यह उनका अपना मिशन और उनकी अपनी भूमि है। शिक्षक चुनेद्र ठाकरे ने महाराज की अदम्य साहस और वीरता की गाथा सुनाते हुए

बताया कि उनकी वीरता सिर्फ युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं थी। यह उनकी कुशल रणनीति, दूरदर्शी नेतृत्व और गनिमी कावा (छापामार युद्ध) तकनीक में निहित थी। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मुगलों जैसी विशाल सेनाओं को चुनौती दी। उनका मुख्य आधार स्वराज्य का संकल्प, मातृभूमि के प्रति प्रेम, रणनीतिक बुद्धिमत्ता और न्यायप्रिय शासन था, जिसने उन्हें भारत के महानतम शासकों में स्थान दिलाया। इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद, विकासखंड लांजी (सेक्टर-05) से रमेश आसटकर (सचिव), नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण समिति लांजी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कोचेवाही के अध्यक्ष तुलसीराम उईके, सचिव राजेंद्र भागडकर, सहसचिव हुलास प्रसाद पाण्डे तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रितों में संतोष नगपुरे (वि.ख. समन्वयक, लांजी), परामर्शदाता श्रीमति ज्योति शक्करपुडे, सी.एम.सी.एल.डी. एम.एस.डब्ल्यू छात्रा खोविंद पांचे शामिल थीं। ग्राम और समाज के वरिष्ठजन जैसे दुलीचंद भागडकर, चुनेंद्र ठाकरे, सुखराम भागडकर, विमल भागडकर, रामप्रसाद भागडकर, देवेंद्र भागडकर, सुखचरण भागडकर, माधोराव भागडकर, अनारम भागडकर, सिरपत राव भागडकर, छबिंद्र ठाकरे, राजेंद्र भागडकर, सुरेंद्र भागडकर, संतोष भागडकर, प्रेमचंद भागडकर, डेलचंद भागडकर, कमलचंद भागडकर, समलचंद भागडकर सहित समाज की महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवंती साधना मंच की बैठक सम्पन्न

21 मार्च को गौरव दिवस सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवंती साधना मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक मंच के सदस्य राजेश मस्करे के निज निवास स्थान पर 1 मार्च को दोपहर 3 से आहुत की गई। बैठक में अवंती साधना मंच के समस्त पदाधिकारी, सदस्य गण उपस्थित रहे। बैठक का प्रमुख उद्देश्य आगामी 21 मार्च को गौरव दिवस सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है जिसको लेकर रूप्रेखा तैयार की गई। जिसके अन्तर्गत यह निर्णय लिया गया है कि गौरव दिवस समारोह का आयोजन अवंती चौक बड ?ांव म में प्रात: 11 बजे से किया जायेगा। जिसमे समाज के प्रतिभावान बच्चे, 10वीं, 12वी जो कि 80 प्रतिशत से उपर अंक प्राप्त किये है उन्हे मंच के माध्यम से सम्मानित किया जायेगा। इसी कड़ी में उत्कृष्ट कृषक

सम्मान भी शामिल किया गया है जहां समाज के ऐसे उन्नत कृषक जिन्होने कृषि के क्षेत्र मे अपना और क्षेत्र का नाम रोशन किया है उन्हे सम्मानित किया जाना सुनिश्चित किया गया है साथ ही समाजिक रूप से प्रतिभावान लोगो को भी मंच सम्मानित करेगा। इस दौरान प्रमुख रूप अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, लोधी महासभा अध्यक्ष तोमेश्वर बापुरे, आलोक संघ लांजी के अध्यक्ष राजेश मस्करे, अवंती साधना मंच उपाध्यक्ष खेमराज मच्छिरके, कृष्णा कुमार लिल्हारे, विजय दशरिया, विजय मस्करे, प्रमोद धामने, अशोक महिश्वरे, भवन दास दशरिया, डॉली राम उपराड़े, मनीराम मस्करे, साहेबदास दशरिया, तोषण मस्करे, डॉ पुनाराम पिछोड़े, रामेश्वर लिल्हारे, भरत लिल्हारे, लालजी लिल्हारे, रामप्रसाद चिखले, मनोहर चिखले, चन्द्रशेखर लिल्हारे सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

कपूरचंद कालबेले पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी मोहन कालबेले के पुत्र व ताराचंद कालबेले के बड़े भाई (वर्तमान में ग्राम कोसमारा निवासी) कपूरचंद कालबेले का 60 वर्ष की आयु में 1 मार्च को सुबह 6 बजे निधन हो गया। बताया जा रहा है कि कपूरचंद कालबेले सड? दुर्घटना के बाद से ही बिमार

चल रहे थे जिनका 1 मार्च को निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र नाती पोतो से भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे ग्राम कोसमारा के मोक्षधाम में किया गया। इसकी अंतिम यात्रा में परिजन, नाते रिश्तेदार, इष्टमित्र व ग्रामीण जनों ने उपस्थित होकर अंतिम बिदाई दी एवं शोक श्रद्धांजलि अर्पित मृत आत्मा के शांति के लिये परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

बाघ नदी में नहाते समय पैर फिसलने से सुरेन्द्र लिल्हारे की पानी में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराष्ट्र सीमा से लगे ग्राम कुल्पा में 1 मार्च 2026 को एक दुखद हादसा हुआ, जिसमें ग्राम कुल्पा निवासी सुरेन्द्र लिल्हारे पिता सुंदरलाल लिल्हारे, उम्र 43 वर्ष की बाघ नदी में नहाते समय पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में चले जाने से डूबकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लांजी पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने मृतक के शव को नदी से बाहर निकाला। शव का पंचनामा और अन्य आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद शव को सिविल अस्पताल लांजी ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृत्यु का कारण पानी में डूबना ही बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

होली बाद होगा मैदानी अफसरों का तबादला

भोपाल (ईएमएस)। मप्र में सरकार एक बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि होली के बाद मैदानी अफसरों की तबादला सूची जारी की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक दर्जन जिलों के कलेक्टर को बदलने की तैयारी की गई है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार करवा ली है।

सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव की कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अधिकारियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार कर ली है। अब उस रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश सरकार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करेगी। जिसमें एक दर्जन से अधिक जिलों के कलेक्टर भी बदले जाने की संभावना है। इस फेरबदल में भोपाल कलेक्टर कौशलेंन्द्र विक्रम सिंह, धार के प्रियंक मिश्रा से लेकर रीवा, ग्वालियर, मैहर, नर्मदापुरम, झाबुआ जिले की महिला कलेक्टर को बदले जाने की संभावना है। साथ ही 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का सिलसिला शुरू होगा। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार मैदानी अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर शासन स्तर पर मंथन हो चुका है। तबादलों में तीन संभागायुक्त भोपाल, ग्वालियर, रीवा को बदला जा सकता है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सचिव पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें भोपाल संभागायुक्त बनाया जा सकता है या फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में वापसी हो सकती हैं।

15 से ज्यादा कलेक्टरों के तबादले

जानकारी के अनुसार, मप्र सरकार बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी कर रही है। विधानसभा के बजट सत्र के बाद 15 से ज्यादा जिलों के कलेक्टरों के तबादले किए जा सकते हैं। कलेक्टरों की नई पदस्थापना के लिए सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम पूरा होने की तैयारी कर रही थी। 21 फरवरी को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद एसआईआर का काम पूरा हो गया है। विधानसभा सत्र का समापन 6 मार्च को होगा। दरअसल, गत अक्टूबर से शुरू हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के दौरान कलेक्टरों के तबादलों पर अघोषित प्रतिबंध लगा हुआ था। इस अवधि में सरकार चुनाव आयोग की अनुमति लेकर ही कलेक्टरों की नई पदस्थापना कर सकती थी। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सरकार ने जनवरी में सिर्फ अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह का तबादला किया था। इसके लिए सरकार ने तीन नामों का पैनल चुनाव आयोग को भेजा था। चुनाव आयोग की अनुमति से साकेत मालवीय को अशोकनगर का कलेक्टर पदस्थ किया गया था। अब चूंकि एसआईआर का काम पूरा हो चुका है, इसलिए सरकार ने कुछ जिलों के कलेक्टरों को बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। सीएम डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच कलेक्टरों की नई पदस्थापना को लेकर प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है।

खराब रिपोर्ट वालों पर गिरेगी गाज

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक सरकार को कुछ ऐसे कलेक्टरों के तबादला करना है, जिनकी रिपोर्ट अच्छी नहीं है। इसका आंकलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस करके दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के आधार पर किया गया है। कई कलेक्टरों द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायतें शासन के पास पहुंची हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन दो बार कलेक्टर कमिश्नरों के कामकाज का आंकलन विभिन्न आधार पर करा चुके हैं। रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार भी कर ली है। मुख्य सचिव दो बार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कलेक्टरों के कामकाज की समीक्षा कर चुके हैं। इस रिपोर्ट के आधार बजट सत्र के बाद मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर पर परिवर्तन किया जाएगा। कुछ सचिव स्तर के अधिकारियों को नए दायित्व दिए जाएंगे, तो कुछ अन्य अधिकारियों को भी बदला जाएगा। मैदानी स्तर पर कलेक्टर के साथ अपर कलेक्टर भी बदले जाएंगे। इसमें वे अधिकारी भी शामिल होंगे, जिन्हें ढाई साल से अधिक समय एक स्थान पर हो गया है।

अब एमपीएसआरटी के सेवानिवृत कर्मियों को फैसले के बाद मिलेगा लाखों रुपये का भुगतान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश सड़क परिवहन निगम के सेवा निवृत कर्मचारी सदस्यों के हित में माननीय उच्च न्यायालय ग्वालियर द्वारा एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया गया है।जिंसमे कोर्ट ने परिवहन निगम से सेवानिवृत हुए सभी कर्मचारियों को एक्स ग्रेसिया राशि एवं अन्य भुगतान किए जाने के आदेश जारी किए है।जिसमें सभी कर्मचारी को लाखों रुपए का भुगतान किया जाएगा ।इसके अतिरिक्त अभी और भी केस कोर्ट में है जिसमें सभी सदस्यों को लाखों रुपए का भुगतान किया जाएगा। जिसकी जानकारी देने के लिए 1 मार्च रविवार को नगर के बसस्टैंड में एक बैठक का आयोजन किया गया।मप्र सड़क परिवहन निगम पेंशनधारी कर्मचारी महासंघ बालाघाट इकाई द्वारा आयोजित इस बैठक में उपस्थितजनों ने सर्वप्रथम एक दूसरे को होली पर्व की बधाई देकर ,एक दूसरे को गुलाल लगाया, तो वही होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। इसके पूर्व संपन्न कराई गई इस बैठक में संगठन से जुड़े पदाधिकारियो ने हाल ही में ग्वालियर उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रकाश डालते हुए कोर्ट के इस फैसले को कर्मचारियों की बड़ी जीत बताया है तो वहीं उन्होंने अन्य फैसलों में भी कर्मचारियों की जीत होने की बात कही है।

ये लंबी कानूनी लड़ाई की बड़ी जीत है

बताया गया कि न्यायालय के उक्त निर्णय के अनुसार, निगम के सभी पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाखों रुपए की एक्स-ग्रेशिया राशि और अन्य बकाया भुगतान किए जाएंगे। इस फैसले से वर्षों से अपने हक की लड़ाई लड़ रहे कर्मचारियों में खुशी की लहर है।संगठन पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि अभी निगम से जुड़े अन्य प्रकरण भी न्यायालय में लंबित हैं। उन मामलों में भी कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय आने की संभावना जताई गई है, जिससे सभी सदस्यों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिल सकता है।आयोजित बैठक के दौरान संगठन पदाधिकारियों ने सदस्यों को न्यायालय के निर्णय और आगामी कानूनी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।कर्मचारियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे अपनी लंबी कानूनी लड़ाई की बड़ी सफलता बताया। वही सभी ने कोर्ट के इस निर्णय पर हर्ष जताते हुए आगे प्रकरणों में भी उन्हें इंसाफ मिलने की बात कही।इस दौरान मप्र सड़क परिवहन निगम भारत पेंशनर्स संघ प्रांतीय अध्यक्ष अशोक सराठे, सेवा आर.के. जैन, सुरेश बघेल, मानसिंह बैस, के.के. मिश्रा, रमजान खान, अशोक सराठे, मूनपूरी गोस्वामी, काशी प्रसाद सराठे, पालसिंग राजपूत, मोतीलाल पटवा, हमीद खान, लेखराम उकस ,ताराचंद बिसेन, चेतन सिंह सरोते, बसंत विश्कर्मा, पवन बिसेन, पवन नगपूरे, करण सिंह, राजकुमार टेंभरे, मो. साबिर, दामोदर प्रसाद नामदेव, राजेन्द्र सेन, और मुबीन खान सहीत अन्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बाघों के आशियाने पर संकट

भोपाल। पन्ना-छतरपुर जिले में विकास की वेदी पर पन्ना टाइगर रिजर्व के जंगलों को उजाडऩे का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब राजनगर तहसील के बरद्वाहा गांव में 20 हेक्टेयर क्षेत्र में पत्थर खदान की लीज स्वीकृत की गई है। यह लीज केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत ढोडऩ बांध का निर्माण कर रही नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी को दी गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह खदान पन्ना टाइगर रिजर्व के ईको-सेंसिटिव जोन में आती है। नियमों को ताक पर रखकर, नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की स्थाई समिति से अनिवार्य अनुमति मिलने से पहले ही कंपनी ने मौके पर क्रेशर प्लांट स्थापित कर दिया है।

राजस्व भूमि के खसरा नंबर 1361/1 पर स्वीकृत यह खदान रनगुवां बांध के डूब क्षेत्र के बिल्कुल किनारे है। बाघों का मूवमेंट, मात्र 800 मीटर की दूरी पर सरहद प्लांट से महज 800 मीटर की दूरी पर पन्ना टाइगर रिजर्व की चंद्रनगर रेंज (बरद्वाहा बीट) शुरू हो जाती है, जो आगे कोर एरिया की सीलोन और सेजा बीट से जुड़ती है। इस संवेदनशील इलाके में दो बाघिनों सहित 5 बाघों का स्थाई मूवमेंट है। भारी मशीनों के शोर और खनन की गतिविधियों से वन्यजीवों के प्राकृतिक गलियारे के अस्तित्व पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ईकोसेंसटिव जोन में लगा एनसीसी कंपनी का क्रेशर प्लांट। प्लांट के पास रनगवां बांध का भराव क्षेत्र जहां तक बाघ और तेंदुआ का मूवमेंट है। चीफ वार्डन वाइल्ड लाइफ मप्र शुभरंजन सेन का कहना है कि पन्ना टाइगर रिजर्व के ईकोसेंस्टिव जोन में क्रशर प्लांट स्थापित होने का मामला अब तक सामने नहीं आया है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन से रिपोर्ट मांगेंगे। इसके बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। वहीं जानकारों का कहना है कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट की ब्लास्टिंग और क्रेशर के शोर से चंद्रनगर रेंज का ईको-सिस्टम अशांत है। कोर एरिया में कैंप और भारी मशीनों से बढ़ता प्रदूषण बाघों को क्षेत्र बदलने पर मजबूर करेगा। पहले से अधिक घनत्व के कारण, इलाका छोडऩे पर बाघों के बीच खूनी आपसी संघर्ष और मौतों का खतरा बढ़ जाएगा।

नकली-केमिकल रंगों की बिक्री पर रोक नहीं

होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रंगों की धूम

भोपाल । मध्य प्रदेश में होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रंगों की धूम है, लेकिन नकली और केमिकल वाले रंगों की बिक्री ने लोगों की सेहत को खतरे में डाल दिया है। ऐसा नहीं कि यह पहली बार होज्हां लेकिन जो हम आपको बता रहे हैं यह पहली बार ही है कि सरकार हर बार की तरह इस बार भी सो रही है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में मिलावट के लिए तो कई कानून, प्रावधान है। कड़ी सजा भी है, लेकिन बात अगर नकली, केमिकल युक्त और बेहद हानिकारक रंगों की जाए तो मामला जीरोज्मतलब न कोई प्रावधान न कोई लैब, तो जांच की बात तो दूर दूर तक नहींज्जबकि हर साल लोग हजारों की संख्या में नकली या केमिकल युक्त हानिकारक रंग गुलाल के शिकार हो जाते हैं।

कई बीमारियों का खतरा

बाजार में कुछ कंपनियां इस बात का दवा जरूर करती हैं कि उनके बेचे जाने वाले रंग और गुलाल प्राकृतिक हैं या आयुर्वेदिक औषधि युक्त है, लेकिन इन दावों का कोई प्रमाण पत्र कंपनियों के पास नहीं है। हानिकारक रंगों से त्वचा जलाने, एलर्जी और आंखों को नुकसान समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा होता है। आश्चर्य की बात तो यह भी है कि नकली और असली रंगों में पहचान कर पाना ग्राहक तो दूर दुकानदार और थोक मार्केट विक्रेताओं के भी बस की बात नहीं है।

कांग्रेस ने सरकार पर बोला हमला

इस मामले को लेकर कई जिम्मेदार अधिकारियों से बातचीत भी की, लेकिन अफसर है कि नीतिगत निर्णय ही न होने के कारण कैमरे के सामने कुछ भी बोले बताने से साफ इनकार हैं। रंगों की खतरनाक खेल को लेकर कांग्रेस पार्टी से पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सालों से सत्ता में काबिज सरकार में सिर्फ दिखावा है। बड़े-बड़े दावों के अलावा कुछ नहीं है। सरकार को मामले पर तत्काल एक्शन लेना चाहिए। साथ ही साथ नीति बनाने और मिलावट से संबंधित कठोर प्रावधान भी करना चाहिए, लेकिन यह काम तो कांग्रेस सरकार में भी नहीं हुआ। इधर बीजेपी ने दावा किया कि मामले पर भी संज्ञान लिया जाएगा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि होली त्यौहार में स्वास्थ्य और पुलिस महकमा सुरक्षा के लिए मुस्तैद है। स्थानीय प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

होली पर भद्रा और चंद्रग्रहण का साया

भोपाल। भद्रा का साया और चंद्रग्रहण के बीच होलिका दहन दो मार्च को प्रदोष काल में किया जाएगा। फाल्गुन की पूर्णिमा सोमवार को शाम पांच बजकर 55 मिनट से शुरू हो रही है, और पूर्णिमा लगने के साथ ही भद्रा भी शुरू हो जाएगी। भद्रा इस बार पृथ्वी पर और सिंह राशि में है। दो मार्च को शाम छह बजकर 22 मिनट से लेकर आठ बजकर 53 मिनट का समय प्रदोष काल रहेगा और इसी समय के दौरान होलिका दहन किया जाना शुभ और शास्त्र सम्मत होगा। ग्रहण के कारण इस बार रंगोत्सव या होली चार मार्च को खेली जाएगी।

सार्थक स्कूल किरनापुर के प्रतिभावान बच्चों को जिले मे किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्यप्रदेश साइंस सर्किल एसोसिएशन द्वारा स्टेट लेवल जुनियर एवं सीनियर कंबाइंड असेसमेंट टेस्ट छ्ष्टञ्ज/स्ष्टञ्ज परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें किरनापुर क्षेत्र की अग्रणी संस्था सार्थक पब्लिक स्कूल किरनापुर की कक्षा 9वीं की छात्रा चैताली बिसेन पिता श्री केदारसिंह बिसेन ने जूनियर केटेगरी में राज्य स्तर में दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा 8 वीं के छात्र धैर्य तुरकर पिता श्री देवेंद्र तुरकर जुनियर केटेगरी में राज्य स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।आज रविवार दिनांक 01 मार्च 2026 को सीएम राइज सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में राष्टीय विज्ञान दिवस 2026 के समारोह पर इन दोनों बच्चों को प्रमाण पत्र, अवॉर्ड और चेक राशि देकर सम्मानित किया गया। दोनों बच्चों की इस सफलता पर संस्था संचालक जितेंद्र भौंडेकर के निर्देशन में इस साइंस सर्किल एग्जाम की तैयारी कर सफलता पूर्वक आयोजित करवाने में स्कूल परीक्षा प्रभारी भूपेंद्र सिंह सर, नेहा कावड़े, शोभा ठाकरे, कपिल गजभिए, ललिता सिंगनदुपे, शिफा खान, कल्याणी सहारे का महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं।संस्था के संचालक जितेंद्र भोंडेकर जी, रोहिणी उके, जिखारिया नाइक, अजीत बागड़कर, आशीष नागवंशी एवम समस्त स्टाफ ने इस बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मानदेय कटौती से नाराज 1346 योग प्रशिक्षक

साल 2021 में आउटसोर्स पर हुई थी नियुक्ति, आरोप- तय न्यूनतम वेतन मानकों से भी कम है सैलरी

भोपाल। प्रदेश में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच योग प्रशिक्षकों और योग सहायकों ने अपनी पीड़ा खुलकर सामने रखी है। मध्यप्रदेश में 1346 योग कर्मी आउटसोर्स व्यवस्था के तहत कार्यरत हैं और उन्हें अन्य राज्यों की तुलना में बेहद कम मानदेय मिल रहा है। कटौतियों के बाद हाथ में आने वाली राशि न्यूनतम वेतन से भी कम बताई जा रही है। योग कर्मियों का कहना है कि आर्थिक असुरक्षा के कारण वे मानसिक दबाव में काम कर रहे हैं और अब न्यायोचित मांगों पर सरकार से ठोस निर्णय की अपेक्षा है।

नेशनल आयुष मिशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर और योग वेलनेस सेंटर में कार्यरत योग प्रशिक्षक और योग सहायक साल 2021 से आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्त हैं। उनका कहना है कि वे आयुष मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप योग और आयुर्वेद के वैज्ञानिक आधार पर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरिरत कर रहे हैं। इन केंद्रों पर नियमित योग सत्र, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

योग कर्मियों का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय के अनुसार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर योग प्रशिक्षक को 8000 रुपए और योग सहायक को 5000 रुपए प्रतिमाह मिलना चाहिए। देश के अधिकांश राज्यों में यह राशि दी भी जा रही है। लेकिन मध्यप्रदेश में आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से भुगतान होने के कारण कटौतियाँ अधिक हैं। वर्तमान में योग प्रशिक्षक को कुल मिलाकर लगभग 5555 रुपए और योग सहायक को करीब 3471 रुपए प्रतिमाह ही प्राप्त हो रहे हैं। योग कर्मियों के अनुसार, यह राशि श्रम मंत्रालय द्वारा तय न्यूनतम वेतन मानकों से भी कम है।

पीएफ और ईएसआई पर भी सवाल

योग प्रशिक्षकों के मानदेय से 666 रुपए और योग सहायकों से 417 रुपए भविष्य निधि के रूप में काटे जा रहे हैं। इसके अलावा ईएसआई मद में भी कटौती की जाती है, लेकिन कर्मियों का कहना है कि चार वर्षों से ईएसआई कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए। उनका आरोप है कि पीएफ राशि समय पर जमा नहीं होती और न ही पारदर्शिता से जानकारी दी जाती है। इससे आर्थिक असुरक्षा और बढ़ गई है।

विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार ने मुनेंद्र ठाकरे पर लगाये अवैध वसूली और छवि धूमिल करने के आरोप

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जहां एक ओर कांग्रेस संगठन किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे को जान से मारने की धमकी देने वाले ठेकेदार पर कार्यवाही करने की मांग कर रहे है। वहीं दुसरी ओर विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह ने भी पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे पर अवैध वसूली करने एवं छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गये ज्ञापन के अनुसार विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह का आरोप है कि मुनेंद्र ठाकरे ने वारासिवनी एसडीएम से मीटिंग के लिए लालबर्रा रेस्ट हाउस उपलब्ध करवाने की मांग की थी, जिसे एसडीएम द्वारा मना किये जाने पर उन्होंने रंजिशवश सीएम हेल्पलाइन और आरटीआई के माध्यम से झूठी शिकायतें दर्ज करवाया है। साथ ही यह भी आरोप लगाया है कि मुनेंद्र ठाकरे सुपरवाइजरों को डरा-धमका कर रूपयों की मांग करते हैं और श्री ठाकरे ऑडियो क्लिप को आधा-अधूरा और काट-छांट कर वायरल कर रहे हैं, ताकि बालाघाट विधायक की छवि धूमिल की जा सके, कांग्रेस परिवार में विवाद उत्पन्न हो। अबू शाह ने अपने शिकायत पत्त में यह भी कहा है कि विधायक प्रतिनिधि होने के नाते श्री ठाकरे को समझाने का प्रयास किया था। लेकिन ठाकरे जब तक एसडीएम माफी नहीं मांगेंगे, तब तक शिकायत वापस नहीं लेने की जिद पर अड़े रहे। अबू शाह ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर मुनेंद्र ठाकरे के विरूध्द कार्यवाही करने की मांग की है।

सेवानिवृत्ति पर सचिव रामलाल खरे को पंचायत सचिव संगठन ने दी भावभीनी बिदाई

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मौदा के सचिव रामलाल खरे को पंचायत सचिव संगठन ब्लॉक शाखा किरनापुर द्वारा स्थानीय पंवार मंगल लॉन किरनापुर मे बिदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर सचिव साथी रामलाल खरे को अर्धवार्षिकी सेवा आयु पूर्ण करने पर स्नेहिल एवं भावभीनी बिदाई दी गई। ब्लॉक शाखा किरनापुर मे यह प्रथम अवसर था जब सचिव संगठन द्वारा संगठन के सदस्य साथी के प्रथम बार सेवानिवृत होने पर बिदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह की अध्यक्षता एवं सेवानिवृत्त सचिव रामलाल खरे के मुख्यातिथ्य तथा जनपद सदस्य मनीष भीमटे, सचिव संगठन ब्लॉक शाखा अध्यक्ष सेवकराम लिल्हारे, ग्राम रोजगार सहायक संगठन ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र ?कवार, छोटू परिहार,के विशेष आतिथ्य मे आयोजित किया गया। बिदाई समारोह कार्यक्रम मे बारी बारी से उपस्थित सचिव साथियों ने सेवानिवृत्त सचिव साथी रामलाल खरे को तिलक वंदन कर पुष्प मालाएं पहनाकर एवं शॉल एवं श्रीफल भेंट करते हुए पुष्प गुच्छ व उपहार भेंट कर स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामनाएं की। इस अवसर पर श्री रामलाल खरे द्वारा पंचायत विभाग मे अलग अलग 12 से 13 पंचायतों मे दिए गए निर्विवाद अमूल्यनीय सेवा कार्यों की सराहना करते हुए याद किया गया। इस दौरान अनेक सचिव बंधुओं द्वारा गीतो एवं कविताओं के माध्यम से बिदाई समारोह को यागदार बनाया तो सचिव राजाराम पांचे ने बांसुरी पर मधुरतम प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को आनंदित किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने कहा कि रामलाल खरे भैया प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेदारियों से रिटायर्ड हुए हैं, लेकिन उनकी असली जिम्मेदारी अब शुरू होती है कि वे अपने इतने लम्बे समय के समय को अपने सामाजिक क्षेत्रों मे साझा करेंगे और अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे। वही जनपद सदस्य मनीष भीमटे ने कहा कि पंचायत विभाग से मेरा पुराना नाता जुड़ा हुआ है। मेरे पिताजी ने भी जनपद पंचायत मे सेवाएं दी है। रामलाल भैया आज सेवानिवृत हुए है वे स्वस्थ रहें, दीघार्यु हो तथा अपना मार्गदर्शन समय समय पर देते रहे।साथ ही साथ असमय दिवंगत हो चुके ग्राम पंचायत माटे के ग्राम रोजगार सहायक के परिवार के लिए आर्थिक सहयोग राशि भी एकत्रित की गई।इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे सचिव गोवर्धन लिल्हारे, फूलचंद राहंगडाले, प्रेमलाल मलघाटी, मारोती मिसारे, रामेश्वर सिहोरे दुर्गेश भीमटे, छत्रपाल गाड़ेश्वर, चमन सोनवाने,रूखमणी पारधी, द्वारका चौधरी, श्रीदेवी उरकूड़े सहित समस्त सचिवों, ग्राम रोजगार सहायको का सराहनीय सहयोग रहा।

बड़वानी में मोहन सरकार की कृषि कैबिनेट आज

भोपाल। डॉ. मोहन यादव सरकार के तमाम मंत्री सोमवार को बड़वानी के नागलवाड़ी में रहेंगे। यहां पहली बार कृषि कैबिनेट बैठक की जाएगी। यहां प्रशासन तैयारियों में जुटा है। 24 फरवरी को विधानसभा सत्र के दौरान सीएम ने इसी घोषणा की थी। यह कैबिनेट प्रदेश की छठी डेस्टिनेशन बैठक है।

निमाड़ के सात जिलों खंडवा, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर पर फोकस रहेगा। इन जिलों की 28 सीटों में से 14 पर कांग्रेस और 14 पर भाजपा का कब्जा है। बैठक के जरिए सरकार 2028 में होने वाले विधासनभा चुनावों के लिए आदिवासी वोटर्स को प्रभावित करना चाहती है। बैठक में इन जिलों के कृषि विकास के लिए बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

इन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

बैठक में किसानों के लिए सिंचाई, उन्नत बीज, बेहतर बाजार और उनकी आय दोगुनी करने जैसे विषयों पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। निमाड़ क्षेत्र की जलवायु मिर्च, हल्दी, धनिया और अन्य मसाला फसलों के लिए अनुकूल मानी जाती है। कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक उद्यानिकी विभाग मसाला फसलों को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू कर सकता है। इसके अलावा, पशुपालकों को आधुनिक तरीके सीखने के लिए ब्राजील में प्रशिक्षण दिलाने का भी विचार है। साथ ही, किसानों के खातों को समग्र आईडी से जोडऩे पर भी बड़ा फैसला हो सकता है। कृषि से जुड़ी जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध कराने की योजना भी एजेंडे में है।

भीलट देव मंदिर की तलहटी में अस्थायी मंत्रालय

शिखरधाम स्थित भीलट देव मंदिर की तलहटी पर बने आठ एकड़ के गार्डन में अस्थाई मंत्रालय तैयार किया जा रहा है। यहां एयर कंडीशनर डोम शेड बनाए गए हैं।

भगोरिया में भी शामिल होंगे मुख्यमंत्री

भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि नागलवाड़ी खरगोन और बड़वानी जिले की सीमा से लगा है। यहां 800 साल पुराना भीलट देव बाबा का मंदिर जनजातीय समाज में आस्था का केंद्र है। मंदिर की तलहटी में स्थित 8 एकड़ के गार्डन को अस्थायी रूप से 'मंत्रालय' का स्वरूप दिया गया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सुबह करीब 11:30 बजे बैठक की शुरुआत होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जुलवानिया के भगोरिया हाट में शामिल होंगे। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम सोनी ने बताया कि इससे पहले, जबलपुर (भेड़ाघाट) सिंग्रामपुर, महेश्वर, इंदौर और पचमढ़ी में बैठक हो चुकी है। लक्ष्य है कि प्रदेश के सभी जिलों में ऐसी कैबिनेट बैठक आयोजित की जाए, ताकि राजधानी के बाहर भी प्रशासनिक फैसले जल्द लिए जा सकें।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय ढ्ढ में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20ढ्ढ में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर भी थीं।

सीएसके ने आईपीएल 2026 सत्र के लिए नई जर्सी पेश की

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र के लिए अपनी नई जर्सी पेश की है। फ्रेंचाइज़ी ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा सरफराज खान और आयुष म्हात्रे एक्टिंग करते हुए नजर आते हैं! इसके बाद गायकवाड़ एक बैग से पीली जर्सी निकालते हैं। इस जर्सी के पीछे धोनी का नाम लिखा होता है और उनका पसंदीदा नंबर 7 भी छपा हुआ रहता है। इसके बाद एमएस धोनी की एंट्री धमाकेदार अंदाज में होती है। वीडियो में धोनी पहले बाइक चलाते हुए नजर आते हैं। फिर उन्हें कार में देखा जाता है। अब सीएसके के प्रशंसक इस वीडियो को खासा पसंद कर रहे हैं।

आईपीएल के पिछले सत्र में सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और टीम 14 में से केवल 4 मैच पायी थी। इससे वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य बेहतरर प्रदर्शन रहेगा। इसी को देखते हुए प्रबंधन ने इस बार कई बदलाव किये हैं। आईपीएल 2026 के लिए इस बार ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और सेम कुरेन टीम को टीम से बाहर किया है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम में शामिल किया गया है। वहीं 44 साल की उम्र में एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी खेलते हुए दिखेंगे। टीम को इस बार युवा बल्लेबाजों आयुष म्हात्रे और उर्विल पटेल से भी काफी उम्मीदें रहेंगी। सीएसके ने नीलामी में दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों ऑलराउंडर प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को मोटी रकम देखकर खरीदा है और टीम को इनसे भी अच्छे पदर्शन की उम्मीद रहेगी।

पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा की

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप 2026 से बाहर होते ही टीम के स्पिनर उस्मान कादिर ने टीम को सेवाएं देने के लिए संन्यास छोड़कर मैदान में वापसी की घोषणा की है। कादिर ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं अब उन्होंने कहा है कि वह चयन के लिए उपलब्ध हैं। । कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा सोशल मीडिया पर भी साझा की है। इस स्पिनर ने सोशम मीडिया में लिखा, ऑस्ट्रेलिया में लीग क्रिकेट में ससफल समय के बाद, मैंने खेल में वापसी का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मेरा समय बहुत बदलाव लाने वाला था। 41 विकेट लेने के बाद मुझे लगा कि अभी भी मैं विश्वस्तर पर योगदान दे सकता हूं।

सिंधु दुबई एयरपोर्ट पर फंसी, सोशल मीडिया में साझा किया वीडियो

दुबई। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुए सघर्ष में के कारण कई भारतीय भी खाड़ी देशों में फंस गये हैं। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु के भी दुबई एयरपोर्ट पर फंसे होने की बात सामने आई है।

सिंधु ऑल इंग्लैंड बैडमिंटनर में भाग लेने के लिए रवाना हुई थीं पर खाड़ी में युद्ध शुरु होने के कारण उड़ानें बीच में ही बाधित हो गयी थीं। सिंधु ने सोशल मीडिया पर कहा कि एयरपोर्ट परिसर के नजदीक एक धमाका हुआ, जिससे वहां मौजूद सभी लोग डर गये थे। जिस स्थान पर वह और उनकी टीम ठहरी हुई थी, उसके काफी करीब धमाका। धुएं और मलबे के कारण उनके कोच को तुरंत उस क्षेत्र से बाहर निकलना पड़ा। सिंधु ने इसे बेहद तनावपूर्ण और भयावह अनुभव बताया। उन्होंने लिखा कि हालात हर घंटे के साथ ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। बाद में एयरपोर्ट प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों की सहायता से सिंधु और उनकी टीम को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया।

सलमान अली आगा की कप्तानी पर संकट गहराया

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सलमान अली आगा की कप्तानी में टीम बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी, और कप्तान का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। लगातार आलोचनाओं के बीच पाकिस्तान की टीम प्रबंधन और कप्तानी को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि अगर कोच माइक हेसन अपना पद बनाए रखते हैं तो शादाब खान पाकिस्तान टीम के अगले कप्तान होंगे। अफरीदी के इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि शादाब खान और हेसन का जुड़ाव काफी पुराना है, जो पाकिस्तान सुपर लीग की टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड के समय से रहा है। अफरीदी के अनुसार शादाब एक बुरे विकल्प नहीं हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी में प्रदर्शन में सुधार जरूरी है ताकि वह टीम को और मजबूती से नेतृत्व दे सकें। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें धागे से लटकी हुई थीं, लेकिन इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत ने पाकिस्तान की थोड़ी उम्मीद जगाई है। फिर भी पाकिस्तान के लिए रास्ता आसान नहीं है। टीम को अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 64 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी, या फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच 13.1 ओवर के भीतर समाप्त करना होगा। फिलहाल न्यूजीलैंड का रन रेट (+1.390) पाकिस्तान (-0.461) से काफी बेहतर है, इसलिए पाकिस्तान को बड़े अंतर वाली जीत ही सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है।

सलमान अली आगा की कप्तानी पिछले कुछ मैचों से विवादों में है। पाकिस्तान के खेल विश्लेषक और पूर्व खिलाड़ी लगातार उनके फैसलों और मैदान पर कमजोर रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं। क्रिकेट फैंस भी सोशल मीडिया पर कप्तान और टीम दोनों पर नाराजगी जता रहे हैं। अगर टीम श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो सलमान अली अगा की कप्तानी लगभग समाप्त मानी जा रही है। पाकिस्तान के लिए अब सबकुछ उनके अंतिम मुकाबले पर निर्भर करता है। यदि बड़ी जीत मिलती है तो सेमीफाइनल का टिकट संभव है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम और कप्तान दोनों को विश्व कप के बाद बड़े बदलावों का सामना करना पड़ सकता है।

जयसूर्या का इस्तीफा, बोर्ड ने नये कोच की तलाश शुरु की

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच . सनथ जयसूर्या ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंकाई टीम लीग स्तर में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी सुपर-8 के सभी मैच हार गयी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने अब नये कोच की तलाश भी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जयसूर्या जुलाई 2024 में टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने थे। इसके बाद अक्टूबर में उन्हें पूर्णकालिक कोच बनाद दिया गया था। उनका करार इसी साल जून 2026 तक था पर टीम के लचर प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने तत्काल पद छोड़ना ही सही समझा है। सुपर-8 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम बाहर हुई है। इससे टीम साल 2014 के बाद से ही पांचवीं बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। पाक के खिलाफ अंतिम मैच में दासुन शनाका के 31 गेंदों में नाबाद 76 रन की आक्रामक पारी से टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। वह 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए के पांच रन ही पीछे रह गयी।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना और निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली । भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है।

महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी।

महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)।

पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। उनके साथ स्पेन में स्वर्ण जीतने वाले आकाश (75 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। रजत विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांस्य विजेता जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं। अन्य चयनित मुक्केबाजों में विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) शामिल हैं।

भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि एशियाई चैंपियनशिप में दबाव और कौशल की कड़ी परीक्षा होती है, और टीम ऐसे मुक्केबाजों से चुनी गई है जिन्होंने बेहतर फॉर्म, अनुशासन और बड़े मंच पर प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। महिला टीम का मूल्यांकन मुख्य कोच सैंटियागो नीवा और पुरुष टीम का आकलन सीए कटप्पा की निगरानी में किया गया। हाल ही में भारत ने स्पेन में आयोजित बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था।

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बॉल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए।

रणजी फाइनल के चौथे दिन पहले सेशन में दो विकेट लेकर नबी ने अपना 5 विकेट हॉल पूरा किया। तीसरे दिन उन्होंने तीन विकेट लिए थे। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 16वां और मौजूदा रणजी सीजन का सातवां 5 विकेट हॉल है। नबी ने कुल 23 ओवर फेंके, जिसमें 7 मेडन ओवर शामिल रहे। उन्होंने केवल 54 रन देकर 5 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा और 2.30 की किफायती इकॉनमी बनाए रखी। उन्होंने केएल राहुल, मयंक अग्रवाल और करुण नायर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को शिकार बनाया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ आकिब नबी रणजी ट्रॉफी 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने उत्तराखंड के मयंक मिश्रा को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम 59 विकेट थे। नबी अपने 10वें मैच तक 60 विकेट ले चुके हैं। इससे पहले वे 9 मैचों में 55 विकेट ले चुके थे। पूरे सीजन में उन्होंने दो बार 4 विकेट और 7 बार 5 विकेट हॉल दर्ज किया है।

आकिब ने इस सीजन 60 विकेट लेकर रणजी ट्रॉफी के 92 साल के इतिहास में एक सीजन में इतने विकेट लेने वाले सिर्फ तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में जगह बनाई है। उनका फर्स्ट क्लास करियर भी शानदार रहा है, जहां वे अब तक 41 मैचों में 156 विकेट ले चुके हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में भी उनके नाम 56 विकेट दर्ज हैं। ऐसे में उनकी फॉर्म को देखते हुए चयनकर्ता जल्द ही उन्हें टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली भी आकिब नबी की प्रतिभा से प्रभावित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर ने साबित किया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से असंभव भी संभव है। गांगुली ने बीसीसीआई अधिकारियों को टैग करते हुए कहा कि आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बेहद करीब हैं और इंग्लैंड में गर्मियों के दौरान उन्हें मौका दिया जाना चाहिए।

बेयरस्टो ने प्रधानमंत्री से सहायता मांगी, इंग्लैंड लायंस टीम के साथ आबूधाबी में फंसे

दुबई। ईरान के मध्य पूर्व में हमलों से हालात खराब हैं और कई लोग फंस गये हैं। इंग्लैंड के क्रिकेटर जॉनी बेयरस्टो भी उड़ाने रद्द होने से टीम के साथ ही आबूधाबी में फंसे हुए हैं। बेयरस्टो ने इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से टीम को घर वापस ले जाने की अपील की है। वह इस समय इंग्लैंड लायंस के साथ कोच के तौर पर अबू धाबी आये हुए हैं। वहीं अबू धाबी में ईरान के अमेरिकी ठिकानों पर हमले से धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद लोगों को नजदीकी सुरक्षित इमारत में शरण लेने और मिसाइल खतरे के कारण खिड़कियों से दूर रहने की सलाह दी गयी। वहीं इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से बयान जारी किया गया- हमारी टीमों और स्टाफ की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि, आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी।

हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है।

वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और क्रीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। इसके बाद प्रशंसकों के लिए एक संदेश देते हुए कप्तान ने कहा, पहले ही बहुत-बहुत धन्यवाद। सबको समर्थन करते हुए देखकर हमें मैच जीतने की उम्मीद थी। मैच हारने के लिए माफी चाहता हूं, लेकिन एक टीम के तौर पर हम बहुत उम्मीद कर रहे हैं कि हम अच्छा करेंगे।

पाक कप्तान बोले, कोच हेसन के साथ खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेंगे

पालीकेल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने तीसरे सुपर-8 मैच में जीत के बाद भी कम रन रेट के कारण आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। पाक टीम के पास अधिक अंतर से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर था पर वह उसे भुना नहीं पायी। इससे कप्तान सलमान अली आगा खासे नाराज हैं। उन्होंने टीम की कम अंतर से जीत के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने ये भी कहा कि टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी वह और माइक हेसन अपने ऊपर लेते हैं। पाक ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में 20 ओवर में 8 विकेट पर 212 रन बनाये और पांच रन से जीत हासिल की पर उन्हें श्रीलंका को 147 या उससे कम रन पर आउट करना जरुरी था। इसमें असफल होने से टीम का सेमीफाइनल का सपना टूट गया।

आगा ने माना है कि टीम ने सभी क्षेत्रा में खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, अगर मैं पूरे टूर्नामेंट को देखूं, तो मुझे लगता है कि हमने औसत से नीचे क्रिकेट खेली. हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। अगर साहिबजादा फरहान को ज्यादा साथ मिलता, तो बेहतर होता। मध्यक्रम पिछले कुछ सालों से रनों के मामले में कमजोर बना हुआ है, और हमें उस पर ध्यान देना होगा।

साथ ही कहा कि मुख्य कोच माइक के साथ वह इस असफलता की जिम्मेदारी लेते हैं।

उन्होंने कहा, हम पिछले चार आईसीसी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके क्योंकि हमने महत्तपूर्ण अवसरों पर सही फैसले नहीं लिए। कोच और मैं इस प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेंगे। सलमान अली आगा ने यह भी साफ किया कि वे अपनी कप्तानी को लेकर तत्काल कोई फैसला नहीं करेंगे।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई । आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फॉर्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया।

महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नॉरिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

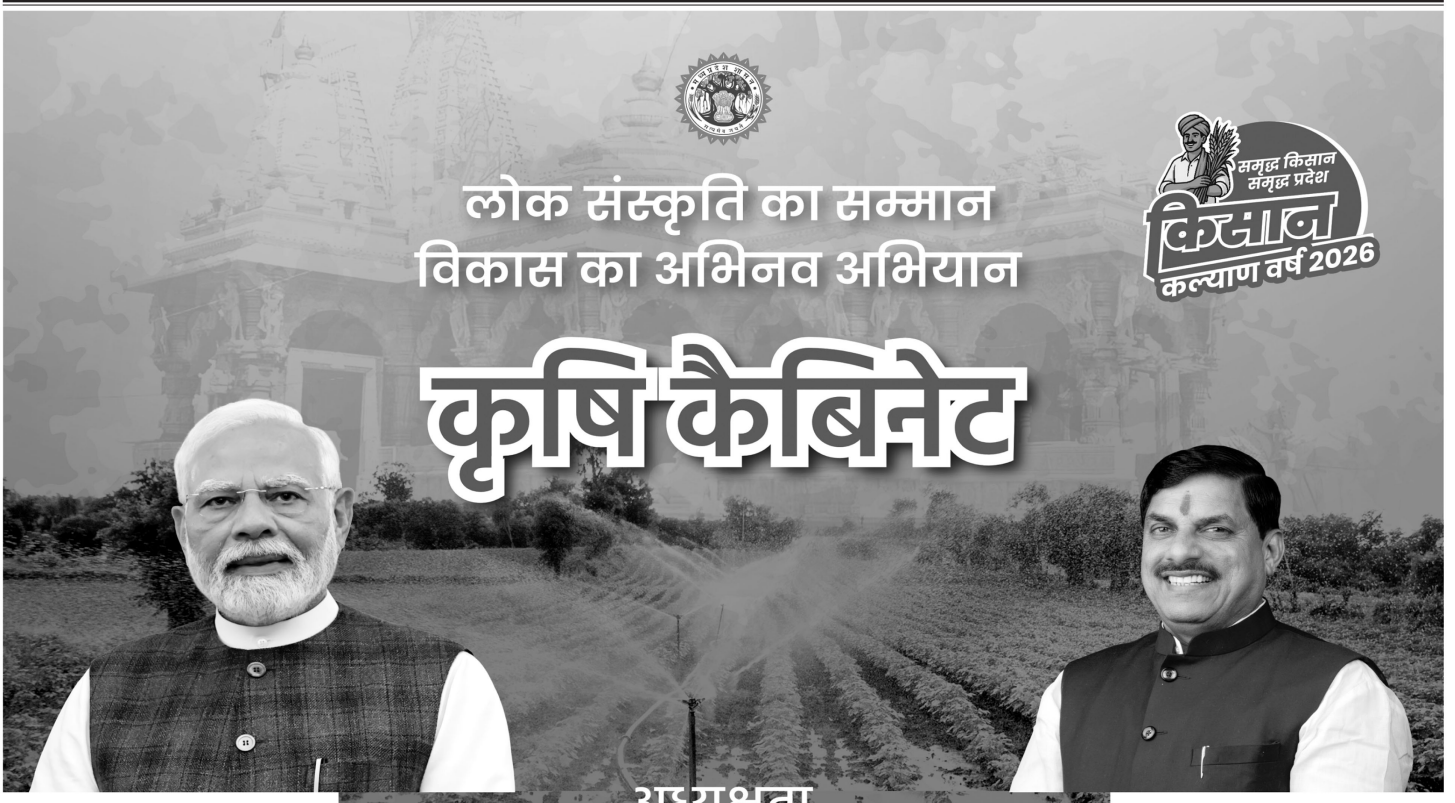

किसान कल्याण वर्ष 2026
समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
लोक संस्कृति का सम्मान
विकास का अभिनव अभियान
कृषि कैबिनेट
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
2 मार्च, 2026 । पूर्वाह्न 11:30 बजे । नागलवाड़ी, बड़वानी
वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। हमारा ध्येय कृषि को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना और कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे ले जाकर अन्नदाता की समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
अन्नदाता के साथ, प्रदेश का विकास
उड़द प्रोत्साहन योजना 2026
उड़द किसानों को मिलेगा एमएसपी के अतिरिक्त ₹600 प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ।
लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र से बढ़ेगा उत्पादन एवं किसानों की आय।
भावांतर योजना- सरसों 2026
सरसों उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए 15.71 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।
फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने हेतु भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन
आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार।
₹3285.49 करोड़ की स्वीकृति से खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि।
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना
पर ड्रॉप मोर क्रॉप परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक निरंतरता स्वीकृत करते हुए ₹ 2393.97 करोड़ के प्रावधान से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, जल संरक्षण एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि।
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु 2031 तक निरंतरता के लिए ₹2008.68 करोड़ की स्वीकृति से कृषि अधोसंरचना और नवाचार को बल।
राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु आगामी 5 वर्षों के लिए ₹ 1101 करोड़ के निवेश से टिकाऊ खेती और लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन
मिशन को गति देने 5 वर्ष की निरंतरता के लिए ₹1793.87 करोड़ की स्वीकृति से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि को मिलेगा बल।
चना, मसूर एवं तुअर का उपार्जन
दलहन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने की पहल, प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
होली पर्व की हार्दिक मंगलकामनाएं
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026
D11215/25

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

2 मार्च को होलिका दहन, 3 को ग्रहण और चार को खेलेंगे होली

चंद्रग्रहण से होली पर्व प्रभावित, होलिका दहन के बाद एक दिन करना पड़ेगा इंतजार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज बालाघाट ।

इस साल चंद्रग्रहण के चलते होली पर्व दहन के एक दिन बाद मनाई जाएगी। दो फरवरी को होलिका दहन धूमधाम से किया जाएगा, वहीं तीन फरवरी को सुबह 9 बजकर 7 मिनट को सुतक लग जाएंगे। जिसके बाद सभी मंदिरों के पट बंद हो जाएंगे। सूतक यानि चंद्रग्रहण 9 बजकर 7 बजे लगेगा, जो शाम 6 बजकर

47 मिनट को मोक्ष होगा। जिसके बाद मंदिरों के पट खुलेंगे और दूसरे दिन यानि चार फरवरी को पूरे भारतवर्ष में धूमधाम से होली मनाई जाएगी।

इस साल होलिका दहन दो फरवरी को किया जाएगा। होली पर्व को लेकर तैयारियां जोरो पर है। मंदिरों और सार्वजनिक संस्थानों ने तैयारियां शुरू कर दी है। ज्योतिष के मुताबिक होलिका दहन दो फरवरी की रात 1 बजकर 26 मिनट से 2 बजकर 38 मिनट के बीच दहन करने का शुभ मुहूर्त है। होलिका दहन के

दूसरे दिन तीन फरवरी को सुबह से ही सूतक लग जाएगा। जो शाम को शांत होगा। उन्होने बताया कि चंद्रग्रहण तीन फरवरी को सुबह नौ बजकर सात मिनट को प्रभावी होगा, इस दौरान शाम छह बजकर 7 मिनट को स्पर्श ग्रहण होगा, जिसके बाद 6.47 मोक्ष होगा। होलिका दहन दो मार्च को होगा, अगले दिन यानी तीन मार्च को रंग नहीं खेला जाएगा। इस बार होलिका दहन के अगले दिन होली नहीं खेली जाएगी, रंग पर्व चार मार्च को मनाया जाएगा। हालांकि ऐसा कम ही

देखने को मिलता है। इसका कारण भी है। तीन मार्च की शाम 5.59 से 6.47 बजे तक चंद्रग्रहण रहेगा जो भारत में दिखेगा। इसलिए चंद्रग्रहण का पालन करना आवश्यक है। सूर्यग्रहण में 12 घंटे पूर्व और चंद्रग्रहण में नौ घंटे पहले सूतक लगता है। सूतक काल में रंग खेलना, मूर्तियों का स्पर्श, खाना-पीना, सोना और शुभ कार्य करना वर्जित है। सूतक काल में आराध्य का ध्यान-जप करना चाहिए। इस कारण तीन मार्च नहीं बल्कि चार मार्च को रंग खेला जाएगा।

होली के दिन इन वस्तुओं का दान वर्जित

ज्योतिष पंडितों के अनुसार होली के दिन कुछ वस्तुओं का दाम वर्जित है। दूध, दही और चीनी, कपड़े, सरसों का तेल, लोहे, स्टील और कांच के सामान का दान नहीं करना चाहिए। सूतक समाप्त होने के बाद लोग अपना आस्था के अनुसार मंदिर और जरूरतंद को दान कर सकते है। उन्होने बताया कि सूतक का पालन सनातन धर्म से किया जा रहा है। फाल्गुन शुक्ल पक्ष को मनाए जाने वाला पर्व चार फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा।

जोरों पर चल रही तैयारियां

होली पर्व में फाग गीत को लेकर समितियों द्वारा जोरो पर तैयारियां की जा रही है। इशहर के प्रेम नगर , मेन रोड , भटेरा और शहर में भी आयोजन किया जा रहा है। इस दिन कई जगह फूलों की भी होली खेली जाती है। राधा कृष्ण की प्रेम को दर्शाने वाली इस पर्व को लेकर बड़े उल्लास के साथ लोग जुटे हुए हैं।

असंतुष्ट पार्षदों की चुप्पी से खलबली, पार्टी में अंदरखाने खींचतान जारी; प्रदेश संगठन भी किंकर्तव्यविमूढ़ बना!!

नपा अध्यक्ष जांच विवाद : सतह के नीचे धधक रहा असंतोष का लावा!!

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट में बहुमत रखने वाली भारतीय जनता पार्टी के भीतर चल रहे मतभेदों को सुलझाने के लिए 1 मार्च को पार्टी कार्यालय में अहम बैठक बुलाई गई। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष सहित सभी भाजपा पार्षद मौजूद रहे। संगठन की ओर से प्रदेश स्तर के एक वरिष्ठ पदाधिकारी को विशेष रूप से भेजा गया, जिन्होंने पूरे घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की शुरुआत सामूहिक संवाद से हुई, जिसमें सभी पार्षदों से संगठन ने एकजुटता और समन्वय बनाए रखने की अपील की। इसके बाद असंतोष जाहिर कर रहे कुछ पार्षदों को अलग से बुलाकर व्यक्तिगत रूप से उनकी आपत्तियां और समस्याएं सुनी गईं। बताया जा रहा है कि वार्डों में विकास कार्यों और कार्यशैली को लेकर असहमति सामने आई। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक के बाद जब पार्षद बाहर निकले तो उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। किसी ने भी खुलकर बयान देने से परहेज किया। उनके हाव-भाव और चेहरे की गंभीरता यह संकेत दे रही थी कि बातचीत के बावजूद मतभेद पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाए हैं।

नगर पालिका बालाघाट में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और भाजपा समर्थित पार्षदों के बीच उपजा विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। शुरुआत में यह मामला जिला स्तर तक सीमित रहा, जहां पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेताओं की मौजूदगी में बैठक आयोजित कर नाराज पार्षदों को मनाने के लिए एक महीने का समय लिया गया था। लेकिन निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब दो पार्षद और दो पार्षद प्रतिनिधि अपने-अपने वार्डों में विकास कार्य नहीं होने तथा नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय की शरण में पहुंच गए। न्यायालय ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार को 90 दिनों के भीतर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके बाद एक जांच समिति का गठन किया गया, जिसे 15 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए। इसी बीच 1 मार्च को अचानक घटनाक्रम ने नया रुख ले लिया। सूत्रों के अनुसार, जांच प्रक्रिया पूरी तरह स्पष्ट होने से पहले ही संगठन ने हस्तक्षेप किया। प्रदेश स्तर से एक वरिष्ठ पदाधिकारी को बालाघाट भेजा गया, जिनकी मौजूदगी में नगर पालिका के सभी 18 पार्षद, अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू होकर लगभग दो घंटे तक चली। बैठक के दौरान पहले सामूहिक रूप से सभी पार्षदों से चर्चा की गई और विशेष रूप से नाराज पार्षदों से यह जानने का प्रयास किया गया कि उन्हें अपने ही अध्यक्ष से क्या आपत्तियां हैं। सूत्रों का कहना है कि 18 पार्षदों में से केवल चार से पांच पार्षदों ने ही खुलकर अपने वार्डों में विकास कार्य न होने की शिकायत प्रदेश पदाधिकारी के सामने रखी। इसके बाद प्रदेश स्तर से आए पदाधिकारी ने इन पार्षदों से अलग-अलग भी चर्चा की। हालांकि बैठक समाप्त होने के बाद जब मीडिया ने पार्षदों से प्रतिक्रिया जाननी चाही तो किसी ने भी कुछ कहने से इनकार कर दिया। ऐसा प्रतीत हुआ कि संगठनात्मक अनुशासन और दबाव के चलते कोई भी सार्वजनिक रूप से बयान देने से बच रहा है। बावजूद इसके, नाराज पार्षदों के चेहरे के भाव यह संकेत दे रहे थे कि उनकी समस्याओं का समाधान अब तक पूरी तरह नहीं हुआ है। अब कुछ दिनों बाद नगर पालिका में बजट को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है। राजनीतिक हलकों में अब इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि क्या उस बैठक तक चारों नाराज पार्षदों की अध्यक्ष से नाराजगी दूर हो पाएगी या फिर एक बार फिर पक्ष के ही पार्षदों का विरोध और हंगामा देखने को मिलेगा। आने वाले दिन इस पूरे घटनाक्रम की दिशा तय करेंगे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

जले हुए पैरा के ढेर से मिला कंकालनुमा शव का 20 दिन बाद भी पहचान नहीं!!

अज्ञात व्यक्ति की हत्या के आरोपी तक नहीं पहुंच पा रही है पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाने के ग्राम पोनिया 20 दिन पहले एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई थी। यहां एक किसान के खेत में रखे जले हुए पैरा के ढेर से एक अज्ञात व्यक्ति की कंकालनुमा जली-भुनी लाश बरामद की गई है। घटना के 20 दिन बीत जाने के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जिससे हत्या की गुत्थी सुलझना और भी कठिन हो गया है।

ज्ञात हो कि ग्राम पोनिया निवासी किसान रेखचंद्र राहंगडाले ने फसल की मिंजाई (चुरनी) के बाद खेत में पैरा का बड़ा ढेर लगाया था। बताया जा रहा है कि 9 फरवरी की रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने इस पैरा के ढेर में आग लगा दी।10 फरवरी की सुबह जब किसान को आग लगने की सूचना मिली, तो वे तुरंत खेत पहुंचे। उस समय पैरा पूरी तरह जल चुका था। लेकिन उन्हें किसी अनहोनी की आशंका नहीं हुई।घटना का चौंकाने वाला खुलासा 11 फरवरी की दोपहर हुआ। जब ग्रामीणों ने देखा कि कुछ कुत्ते जले हुए पैरा को खींच रहे हैं। संदेह होने पर जब ग्रामीण पास पहुंचे तो पैरा के भीतर एक जली-भुनी कंकालनुमा लाश दिखाई दी।यह दृश्य देख गांव में हड़कंप मच गया था। तुरंत तिरोड़ी पुलिस को सूचना दी गई।शव की स्थिति इतनी भयावह थी कि वह लगभग कंकाल में तब्दील हो चुका था।जिससे प्रथम दृष्टया पहचान संभव नहीं हो सकी थी।प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर लिया है।हालांकि घटना के 20 दिन बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जिसके कारण पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच पा रही है। स्पष्ट है कि मृतक की शिनाख्त होने के बाद ही हत्या की इस गुत्थी को सुलझाया जा सकेगा।तिरोड़ी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है।जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।इस घटना को लेकर यह ग्राम पोनिया चर्चा में घिरा हुआ है। आखिर वह अज्ञात व्यक्ति कौन था। उसकी हत्या किसने और क्यों की।इन सवालों के जवाब अब मृतक की पहचान पर ही निर्भर हैं।

करोंदा बहेरा में मछुआरे की तालाब में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करौंदाबहेरा में इसी ग्राम के एक मछुआरे की तालाब में मछली मारने के दौरान उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। बिरसा पुलिस ने मृतक राम प्रसाद पिता सियाराम निषाद 48 वर्ष का सा यूके पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामप्रसाद निषाद अपने परिवार के साथ तालाब में मछली मार कर और बेचने का धंधा करता था। 28 फरवरी को 3:00 बजे राम प्रसाद निषाद अपने गांव के तालाब में मछली मारने के लिए गया था किंतु वह वापस नहीं लौटा। परिवार के लोग रामप्रसाद निषाद को खोजने के लिए तलाब तरफ गए। तालाब के किनारे राम प्रसाद निषाद के कपड़े रखे हुए थे और तालाब में देखने पर कुछ ही दूरी पर रामप्रसाद निषाद तालाब के अंदर पट हालत में पड़ा हुआ था। परिवार के लोगों ने तालाब में जाकर उसे हिला डुला कर देखें। उसकी मौत हो चुकी थी। संभावना व्यक्त की गई है कि तालाब में मछली मारने के दौरान

राम प्रसाद निषाद गहरे पानी में चला गया जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। इस घटना की रिपोर्ट रामेश्वर निषाद 39 वर्ष ग्राम करौंदा बहेरा द्वारा बिरसा पुलिस थाने में की गई थी। जहां से प्रधान आरक्षक राजेश परते प्रधान आरक्षक संजय दमाहे अपने स्टाफ के साथ ग्राम करौंदा बहेरा पहुंचे। और मृतक राजकुमार निषाद का शव बरामद किए। पंचनामा करवाई पश्चात रामप्रसाद निषाद का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	Graduation D.Ed, B.Ed
Science	- 01	
Maths	- 01	
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट